तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com

कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 36 अंक 103 | कोरबा, सोमवार, दिनांक 13 जनवरी 2025 डाक 14 जनवरी 2025 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा — केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शिरडी के साईं बाबा मंदिर में पूजा-अर्चना की

देश-विदेश — माता वैष्णो देवी के श्रद्धालुओं के लिए खुशखबरी, 14 जनवरी से खुलेंगे पवित्र गुफा के कपाट

फीचर — छेर छेरा ! कोठी के धान ला हेर हेरा

संगम तट पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब लाखों लोगों ने लगाई आस्था की डुबकी

महाकुंभ नगर, 13 जनवरी [एजेंसी]।

प्रयागराज के पावन संगम तट पर महाकुंभ 2025 का प्रथम स्नान पर्व पौष पूर्णिमा सोमवार सूर्य की किरणें फूटने से पहले ब्रम्ह मुहूर्त में शुरू हो गया। सुबह 9.30 बजे तक 60 लाख श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। आधी रात से ही श्रद्धालु मेला क्षेत्र में विभिन्न रास्तों से प्रवेश करने लगे और संगम पर भीड़ बढ़ने लगी थी। हर-हर गंगे और जय गंगा मैया के घोष के बीच स्नान शुरू हुआ तो सुबह का उजाला होते होते संगम नोज स्नानार्थियों से पट गया। संगम क्षेत्र में सोमवार से ही माह भर का कल्पवास भी प्रारंभ हो गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर पोस्ट कर पौष पूर्णिमा की बधाई दी।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा, विश्व के विशालतम आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक समागम महाकुम्भ का आज से तीर्थराज प्रयागराज में शुभारंभ हो रहा है। अनेकता में एकता की अनुभूति के लिए, आस्था एवं आधुनिकता के संगम में साधना एवं पवित्र स्नान के लिए पधारे सभी पूज्य सन्तों, कल्पवासियों, श्रद्धालुओं का हार्दिक स्वागत है। माँ गंगा आप सभी की मनोकामना पूर्ण करें। महाकुंभ प्रयागराज के शुभारंभ एवं प्रथम स्नान की मंगलमय शुभकामनाएं। सनातन गर्व-महाकुम्भ पर्व। स्थानीय और दूर दराज के जिलों से आये लोगों ने पुण्य की डुबकी लगाई।

इस बीच पुलिस और सिविल डिफेंस के वॉलंटियर सीटियां बजाते लोगों को नियंत्रित करते रहे। स्नान के दौरान किसी को परेशानी न हो इसलिये टोलियों में फैल कर घाट पर भीड़ का संतुलन बनाये रहे। घाट पर लगे लाउडस्पीकर और हैंड लाऊडर से भी भीड़ को नियंत्रित करने का क्रम चलता रहा। संगम समेत अन्य स्नान घाटों पर सुबह सात बजे तक भीड़ बढ़ गई। तब तक करीब चार लाख लोगों के स्नान कर लेने का अनुमान प्रशासनिक स्तर पर लगाया गया। हालांकि, कोहरे से आज राहत रही, शीतलहर भी कम ही चली। इस बीच आसमान साफ रहा। संगम पर पौष पूर्णिमा के स्नान और महाकुंभ की गम्भीरता को देखते हुए तमाम पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी निगरानी करते रहे।प्रयागराज। पौष पूर्णिमा स्नान पर्व पर लाखों लोगों ने त्रिवेणी तट पर डुबकी लगाई। हर-हर गंगे के स्वर से संगम का विहंगम तट गुंजायमान हो उठा। इसी के साथ बहुप्रतीक्षित महाकुंभ का शुभारंभ भी हो गया । यूं तो सोमवार भोर 4.32 से स्नान का शुभ मुहूर्त था, लेकिन देश-देशांतर से आए श्रद्धालु आधी रात से ही स्नान करने लगे थे और यह कम जारी है। अब तक लाखों लोग स्नान कर चुके हैं और सारे घाट श्रद्धालुओं से भरे हुए हैं। महाकुंभ से देश की एक प्रतिशत जीडीपी के बढ़ने की उम्मीद है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि लगभग चार लाख करोड़ रुपये का कारोबार होगा। कल सुबह से ही प्रयागराज की सड़कों पर वाहनों व पैदल यात्रियों का रेला दिखने लगा। दोपहर में बारिश होने से लोग इधर-उधर छांव तलाशते ठिठके जरूर लेकिन बूंदाबांदी थमते ही फिर सड़कों पर दिखे।बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं तड़के से ही संगम स्नान के लिए पहुंचने लगे। आस्था का ऐसा आलम था कि सिर पर गठरी का वजन भी उनके उत्साह को कम नहीं कर सका। संगम नोज, एरावत घाट और वीआईपी घाट समेत समस्त घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालु स्नान करते नजर आए। युवाओं ने इस पावन क्षण को कैमरे में कैद किया और सोशल मीडिया पर साझा किया। इस बार युवाओं में सनातन संस्कृति और आध्यात्मिकता के प्रति खासा उत्साह देखने को मिला। संगम स्नान और दान-पुण्य में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

महाकुंभ में भारतीय मूल्यों को संजोने वालों के लिए बेहद खास दिनः पीएम मोदी

प्रयागराज 13 जनवरी [एजेंसी]।

सोमवार को प्रयागराज के पवित्र शहर में महाकुंभ की शुरुआत होने पर, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे भारतीय मूल्यों और संस्कृति को संजोने वालों के लिए एक बहुत ही खास दिन बताया, उन्होंने कहा कि यह विशाल धार्मिक आयोजन भारत की कालातीत आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। उन्होंने एक्स पर कहा, भारतीय मूल्यों और संस्कृति को संजोने वाले करोड़ों लोगों के लिए एक बहुत ही खास दिन! महाकुंभ 2025 प्रयागराज में शुरू हो रहा है, जो आस्था, भक्ति और संस्कृति के पवित्र संगम में अनगिनत लोगों को एक साथ लाएगा। महाकुंभ भारत की कालातीत आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है और आस्था और सद्भाव का जश्न मनाता है। प्रधान मंत्री ने कहा कि वह प्रयागराज को चहल-पहल भरा देखकर खुश हैं, जहां अनगिनत लोग आ रहे हैं, पवित्र डुबकी लगा रहे हैं और आशीर्वाद ले रहे हैं।

दार्जिलिंग में छिपा था साहिल सोनवानी, सीबीआई की कार्रवाई सीजीपीएससी घोटाले को लेकर जारी

रायपुर 13 जनवरी। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग भर्ती 23 घोटाले में सीबीआई ने गिरफ्तारियां बढ़ाते हुए आज तीन और चयनित अभ्यर्थियों को विशेष अवकाशकालीन कोर्ट में पेश कर एक द्न की रिमांड पर लिया है। इन्हे आज दोबारा पेश कर सीबीआई पांच दिन की रिमांड पर लेगी। सूत्रों के मुताबिक साहिल सोनवानी दार्जिलिंग में फरारी काट रहा था। वहीं शशांक और भूमिका गोयल नई दिल्ली से पकड़ा है। इस तरह से अब तक कुल आठ पकड़े जा चुके हैं। इनमें साहिल पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी के भतीजे साहिल के साथ शशांक गोयल और भूमिका कटियार को गिरफ्तार कर विशेष कोर्ट में पेश किया। ये दोनों उद्योग पति श्रवण गोयल के बेटे और बहू है। भूमिका कांग्रेस नेता सुधीर कटियार की पुत्री है। शशांक पूर्व की परीक्षा में चयन के बाद इस समय एसएलआर के पद पर कार्यरत भी है ।

तेज हवाओं ने और भड़कायी लॉस एंजेलिस की आग, अब तक 24 की मौत

नईदिल्ली, 13 जनवरी [एजेंसी]।

लॉस एंजेलिस के जंगलों में लगी आग से अब तक 24 लोगों की मौत हो चुकी है। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसोम ने कहा कि यह अमेरिका के इतिहास की सबसे विनाशकारी प्राकृतिक आपदा हो सकती है, जिसने हजारों घरों को भी तबाह कर दिया है। लॉस एंजेलिस के दो हिस्सों ईटन और पैलिसेड्स में पिछले 6 दिनों से आग धधक रही है। पैलिसेड्स फायर जोन में अब तक 8 लोगों की मौत हो गई, वहीं ईटन फायर जोन ने 16 लोगों की जान ले ली।लॉस एंजेलिस अमेरिका का दूसरा सबसे बड़ा शहर है। 1990 के दशक में आने वाले ब्रिटिश टीवी शो किडी केपर्स के ऑस्ट्रेलियाई चाइल्ड एक्टर रोसी साइक्स की भी मौत हो गई है। यह पूर्व एक्टर अभी करीब 32 साल का था। पैलिसेड्स की आग करीब 23,600 एकड़ की जमीन पर फैल चुकी है। हालांकि इसके 11 फीसदी हिस्से पर काबू पा लिया गया है। वहीं ईटन की आग 14,000 एकड़ तक फैली है। इसके भी करीब 15 फीसदी हिस्से पर काबू पा लिया गया है।कैलिफोर्निया के सैन फरनैन्डो वैली में फायर टॉरनेडो भी देखा गया, जिससे आग काफी भड़क गई। आग की घटना से करीब 12 हजार से ज्यादा इमारतें नष्ट या क्षतिग्रस्त हो गई हैं। इस कारण अब तक करीब 1 लाख लोगों को अपना घर छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा है। अब तक 135 बिलियन डॉलर से 150 बिलियन डॉलर की आर्थिक क्षति का अनुमान है। एंथनी हॉपकिन्स, पेरिस हिल्टन, मेल गिबसन, बिली क्रिस्टल समेत कई एक्टर्स ने आग की वजह से अपने घरों को खो दिया है।

सांता एना हवाओं के कम होने से फायर फाइटर्स को थोड़ी राहत मिली। ये हवाएं आग को और तेजी से फैला रही थीं। हालांकि, अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि रविवार रात से बुधवार तक हवाएं फिर से तेज हो जाएंगी और 96 किमी/घंटा तक की स्पीड तक पहुंच जाएंगी। आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए संघीय और स्थानीय अधिकारियों द्वारा एक बड़ी जांच शुरू की गई है।हालांकि ज्यादातर मामलों में जंगलों की आग प्राकृतिक होती है, लेकिन ये किसी की साजिश भी हो सकती है। जो बाइडन की डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्य और कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसोम ने कहा है कि शहर को फिर से बसाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी टीम पहले से ही लॉस एंजेलिस 2.0 पर काम कर रही है। अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कैलिफोर्निया के अधिकारियों पर अक्षमता का आरोप लगाया है।

गृहमंत्री शर्मा ने आईईडी ब्लास्ट में घायल जवानों का जाना कुशल क्षेम

रायपुर। गृहमंत्री विजय शर्मा ने आईईडी ब्लास्ट में घायल जवानों का कुशल क्षेम जाना। एक्स में बताया कि बीजापुर जिले के जांगला गांव में हुए आईईडी ब्लास्ट में घायल जवान आरक्षक गजेन्द्र शाह मंडावी और आरक्षक रामसू मज्जी का कुशल क्षेम जाना एवं घटना की जानकारी प्राप्त की। घायल जवानों से संवाद कर उनका हौसला बढ़ाया और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना भी की। कल नक्सलियों ने बीजापुर जिले के जांगला गांव में आईईडी ब्लास्ट किया था, जिसमें ये दोनों जवान चपेट में आ गए थे। फ़िलहाल हालत स्थिर बनी हुई है।

शॉर्ट सर्किट से ट्रक जलकर खाक ड्राइवर और कंडक्टर बाल-बाल बचे

कवर्धा। रायपुर-जबलपुर नेशनल हाइवे 30 मार्ग में सरिया से लदी एक ट्रक में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते ट्रक आग के गोले में बदल गया। चालक और परिचालक ने ट्रक से कूदकर अपनी जान बचाई। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे दमकलकर्मी ट्रक में लगी आग पर काबू पाया। पूरा मामला चिल्फी थाना क्षेत्र का है। ट्रक रायपुर से सरिया लेकर मध्यप्रदेश जा रही थी। जब ट्रक चिल्फी घाटी पहुंची तो अचानक शॉर्ट सर्किट हो गया, जिससे आग लग गई। ट्रक जलकर खाक हो गया है। ट्रक ड्राइवर और कंडक्टर की सतर्कता से एक बड़ा हादसा टल गया।

बिहार बंद के दौरान तोड़फोड़ और हंगामा, पप्पू यादव पर एफआईआर, 15 प्रदर्शनकारी हिरासत में

पटना। बीपीएससी में कथित गड़बड़ी के आरोप में पूर्णिया सांसद पप्पू यादव के आह्वान पर रविवार को बुलाए गए बंद के दौरान समर्थकों ने जमकर आक्रोश जाहिर किया। इस दौरान बंद के समर्थकों पर तोड़फोड़ व मारपीट का आरोप भी लगाया गया है। इसको लेकर सांसद व समर्थकों पर कोतवाली व गांधी मैदान थाने में अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की गई है। बीपीएससी की 70वीं पीटी रद कराने व अन्य मांगों को लेकर सुबह 10 बजे अशोक राजपथ पर साइंस कालेज के सामने बंद समर्थक जुटे। यहां से छात्र युवा मोर्चा संघ के सदस्यों ने प्रदर्शन शुरू किया। रास्ते में दुकानें बंद कराती समर्थकों की भीड़ कारगिल चौक होते हुए डाकबंगला चौराहे की ओर बढ़ी।

इस क्रम में मेट्रो निर्माण में लगी हाईवा में तोड़फोड़ की गई। डाकबंगला चौराहे पर बंद समर्थक धरना पर बैठ गए। सांसद पप्पू यादव भी समर्थकों के साथ वहां मौजूद थे। उन्होंने इस दौरान रामनामी ओढ़ रखा था। सांसद ने इस क्रम में राज्य सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार को री-एक्जाम कराना ही होगा। डाकबंगला चौराहा पर बंद समर्थकों की वजह से आवागमन बाधित हो गया। इस बीच पहुंची पुलिस ने 15 समर्थकों को हिरासत में लेकर यातायात सामान्य कराया।

बेंगलुरु में गायों के थन काटने पर बवाल, मामले में आरोपी युवक गिरफ्तार, बीजेपी ने सीएम सिद्दरमैया पर बोला हमला

बेंगलुरु। बेंगलुरु में तीन गायों के थन काटने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी है, पुलिस सूत्रों ने बताया कि बेंगलुरु की कॉटनपेट पुलिस ने सोमवार को तीन गायों के थन काटने के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। बेंगलुरु पुलिस ने आगे बताया कि आरोपी सैयद नसरू ने रविवार सुबह चामराजपेट के विनायकनगर में गायों के थन काट दिए थे। आरोपी को फिलहाल 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि नसरू ने जब अपराध किया तब वह नशे की हालत में था।

मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने भी इस घटना पर कड़ा रुख अपनाया और बेंगलुरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद को मामले को सुलझाने का निर्देश दिया। इस घटना के कारण क्षेत्र में तनाव पैदा हो गया। वहीं बीजेपी ने ऐलान किया कि अगर दोषियों को तुरंत नहीं पकड़ा गया तो वह काली संक्रांति मनाएगी। अगर सरकार आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहती है तो हम काली संक्रांति मनाएंगे। बीजेपी नेता विजयेंद्र ने कहा कि गाय का अर्थ है सभी जीवित प्राणियों की माता।

इस प्रकार हिंदू गाय को देवी मां के रूप में पूजते हैं और इसे कामधेनु कहते हैं। कर्नाटक की संस्कृति के महान पात्र पुण्यकोटि की कहानी दुनिया के हर कोने में फैल चुकी है। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर गाय की पूजा करना इस त्योहार के उत्सव का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे पावन अवसर पर बेंगलुरु के चामराजपेट में राक्षसी पापियों की ओर से गायों की हत्या का क्रुर, अमानवीय और जघन्य कृत्य जघन्य, अमानवीय और जघन्य है। इस कृत्य की बीजेपी कड़ी निंदा करती है।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक
चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार
डॉ.आर.के.अग्रवाल M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
-: परामर्श का समय :- सुबह 10.30 से 1.30 (शाम को बंद)
डॉ.शशि अग्रवाल M.B.B.S.D.V.D.(U.K) Mob.9826389894
सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।
मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)
विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...
पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

दोस्ती करो नहीं तो तेजाब फेंकूंगा, पंजाब में महिला टीचर को युवक ने दी धमकी

लुधियाना। पंजाब के लुधियाना जिले में एक निजी स्कूल में पढ़ाती अध्यापिका पर एक सिरफिरा युवक करीब ढाई साल से दोस्ती का दबाव बना रहा है। दोस्ती न करने पर अपहरण कर तेजाब डालने की धमकी भी दे रहा है। पुलिस ने आरोपित जोधा सिंह उर्फ ग्रेड निवासी गांव नत्थोवाल के खिलाफ केस दर्ज किया है। एएसआई बलजिंदर सिंह ने कहा कि युवती ने अपनी शिकायत में बताया कि वह निजी स्कूल में पढ़ाती है। जोधा सिंह उसके साथ जबरदस्ती दोस्ती करने पर उसे व उसके परिवार को करीब ढाई साल से परेशान कर रहा है। पांच सितंबर 2022 को जोधा सिंह ने जगराओं में घेर कर उसका रोटी वाला टिफिन और पर्स छीन लिया था। बाद में पंचायत ने समझौता करवा दिया था। 28 अक्टूबर, 2024 से लेकर 13 नवंबर 2024 तक जोधा सिंह लगातार गलत शब्दावली फोन पर बोलता रहा। जब वह ड्यूटी से घर जाती तो फिर पीछा करता है और अगवा करके तेजाब डालकर जला देने की धमकी देता है।

ठगी की शिकार महिलाओं ने की बात सुनेगी शासन-प्रशासन

मंत्री द्वय नेताम और देवांगन ने फ्लोरा मैक्स कंपनी में ठगी की शिकार महिला प्रतिनिधि से की चर्चा

कोरबा । आदिम जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास तथा कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग मंत्री राम विचार नेताम और उद्योग, वाणिज्य एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने फ्लोरा मैक्स कंपनी में ठगी का शिकार बताने वाली महिलाओं से चर्चा कर उन्हें जिला प्रशासन द्वारा की जा रही कार्यवाही से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि जिन्होंने ठगी की है उसके विरूद्ध जिला प्रशासन द्वारा कार्यवाही कर जेल भेजा गया है। आगे भी जांच पड़ताल की जा रही है और कोशिश है कि आप लोगों से जिन्होंने पैसा लिया है उनसे वसूली कर राशि वापस दिलाएं। कुछ महिलाएं बैंक का ऋण माफ करने के लिए मांग कर रही थी। जिन्हें समझाया गया कि जो भी सम्भव है वह कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान विधायक कटघोरा प्रेमचंद पटेल, कलेक्टर अजीत वसंत और पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, एसडीएम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कोरबा जिला कलेक्टर अजीत वसंत द्वारा फ्लोरा कंपनी से ठगी की शिकार महिला/महिला समूहों को बैंक/माइक्रो फायनेंस कंपनी द्वारा लोन देने में शासकीय दिशा-निर्देशों तथा आरबीआई के दिशा निर्देशों का उल्लंघन हुआ है अथवा नहीं के संबंध में बैंक/माईक्रो फायनेंस कर्मियों की भूमिका की जांच किये जाने हेतु छह सदस्यीय जांच दल गठित किया गया है।

जारी आदेश के अनुसार अपर कलेक्टर कोरबा जांच दल के अध्यक्ष होंगे। प्रभारी अधिकारी अल्प बचत जिला कार्यालय कोरबा, जिला कोषालय अधिकारी, प्रबंधक अग्रणी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया कोरबा, उप आयुक्त एवं नोडल अधिकारी राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन नगर पालिक निगम कोरबा और सहायक परियोजना अधिकारी (राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन प्रभारी) जिला पंचायत कोरबा को जांच दल का सदस्य बनाया गया है। जांच दल को 15 दिवस के भीतर विस्तृत जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये हैं।

गंगा महाआरती की तर्ज पर देव सरोवर में हुई पूजा

कोरबा। कोरबा-पश्चिम क्षेत्र में गंगा महाआरती की तर्ज पर प्रगति नगर के देव सरोवर छठ तालाब की पूजा व आरती और छात्रों का शंखनाद आकर्षण का केंद्र बना रहा। टीम चरक के श्रवण तिवारी, टिकन सिंह बघेल, प्रशांत मिश्रा के मार्गदर्शन में सरस्वती शिशु मंदिर, देव पब्लिक स्कूल, कलचुरी पब्लिक स्कूल और सेंट थॉमस पब्लिक स्कूल के छात्रों ने शंखनाद सीखे।

गंगा महाआरती की तर्ज पर देव तालाब की महाआरती के दौरान शंखनाद से मंत्रमुग्ध कर दिया। बड़ी संख्या में लोग देव तालाब की महाआरती में शामिल हुए। टीम चरक धर्म संवाहक धर्म सेना के तत्वावधान में रामलला मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के पहली वर्षगांठ के खास मौके पर देव तालाब दीपका एरिया के महाप्रबंधक संजय कुमार मिश्रा, परियोजना प्रबंधक मनोज कुमार, खान प्रबंधक प्रशांत कुमार सिंह उपस्थित रहे।

महापौर पद के लिए वैशाली ने ठोकी दावेदारी

कोरबा। भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष वैशाली रत्नपारखी ने कोरबा महापौर पद के लिए अपनी दावेदारी प्रस्तुत की है। वैशाली ने अपने संगठनात्मक और राजनीतिक अनुभव के आधार पर यह दावा किया है।
उनका राजनीतिक सफर उल्लेखनीय रहा है। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, और झारखंड में चुनाव प्रचार में सक्रिय भूमिका निभाने के साथ ही कोरबा लोकसभा चुनाव में महिला संपर्क प्रमुख का दायित्व निभाया। उन्होंने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान में जिला संयोजिका और राष्ट्रीय सेविका समिति में बिलासपुर विभाग कार्यवाहिका के रूप में काम किया है। व्यापारी प्रकोष्ठ में जिला मंत्री और 2004-2009 के दौरान शिवाजी नगर/निहारिका वार्ड की पार्षद रहीं। वैशाली ने भाजपा के अनेक आंदोलनों और अभियानों में भी सक्रिय योगदान दिया है। उनका अनुभव और समर्पण उन्हें महापौर पद के लिए मजबूत उम्मीदवार बनाता है।

पिछले 4 साल से मेहनताना पाने भटक रहे मजदूर

कोरबा। कोरबा जिले के वन विभाग में मजदूरी भुगतान का संकट छाया हुआ है। पिछले 4 साल से मजदूर अपना मेहनताना पाने के लिए भटक रहे हैं।
कटघोरा वन मण्डल के गोलवा नाला स्टॉपडेम, कलेवा नाला स्टॉपडेम एवं साड़ामार स्टॉपडेम के निर्माण में लगे मजदूरों को वर्षों से मजदूरी भुगतान का इंतजार है। इस मामले में डीएफओ ने उप वनमण्डल अधिकारी को जांच हेतु निर्देशित किया है।
इस सम्बंध में 40 मजदूरों ने नोटराइज्ड शपथ पत्र कटघोरा वन मण्डल के अधिकारी कुमार निशांत को सौंपकर भुगतान करने की गुहार लगाई है। मजदूरों ने बताया कि वर्ष 2020-2022 में गोलवा नाला स्टॉपडेम व कलेवा नाला स्टॉपडेम एवं साड़ामार में मजदूरी का कार्य किये थे। प्रथम चरण में गोलवा नाल का 100 दिन एवं कलेवा नाला का 75 दिवस मजदूरी कार्य किये थे एवं साडामार स्टॉपडेम में 75 दिवस कार्य किये थे जिसका भुगतान आज पर्यन्त तक नहीं हो सका है। शपथ पत्र के साथ मजदूरी भुगतान का मांग करते हैं।मजदूरों ने बताया कि वर्ष 2020-21 में वन परिक्षेत्र पसान के गोलवा नाला में स्टॉप डेम के कार्य में मजदूर के रूप में कार्य किया । वन परिक्षेत्र कार्यालय पसान में अनेकों बार मजदूरी के संबंध में लिखित एवं मौखिक शिकायत की गई परन्तु प्रत्येक बार वर्तमान परिक्षेत्र अधिकारी रामनिवास दहायत के द्वारा बार-बार आश्वासन तो दिया गया परन्तु आज दिनांक तक एक भी राशि का भुगतान नहीं किया गया है, जिससे मजदूरों को परिवार के भरण- पोषण में दिक्कत हो रही है। इसी तरह परिक्षेत्र पसान वनमण्डल कटघोरा के साढामार नाला में स्टॉप डेम के कार्य में मिक्चर मशीन, सेटरिंग प्लेट, वाइब्रेटर मशीन, पानी पंप, जे.सी.बी. मशीन इत्यादि पसान निवासी संदीप जाखड एवं जुनेद खान का लगा हुआ था।

विधायक पटेल ने दी छेरछेरा की बधाई

कटघोरा । विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रेमचंद पटेल ने जिलेवासियों को मां शाकंभरी जयंती व छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध लोकपर्व छेरछेरा की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर उन्होंने जिलेवासियों व क्षेत्रवासियों की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की है। विधायक पटेल ने कहा कि इस दिन छेरछेरा कोठी के धान ल हेरहेरा बोलते हुए गांव के बच्चे, युवा और महिलाएं घरों में जाकर धान और भेंट स्वरुप पैसे प्राप्त करते हैं। मान्यता है कि इस दिन दान करने से घरों में धन धान्य की कोई कमी नहीं होती।

शिक्षिका निर्मला शर्मा बनेगी इंटरनेशनल डांस कंपीटीशन की जज

कोरबा। निपुण भारत सोशल अवेयरनेस ग्रुप गोरखपुर उत्तर प्रदेश द्वारा 26 जनवरी 2025 को आयोजित होने वाले ऑनलाइन डांसिंग कंपीटीशन में कई राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय हस्तियों के जजमेंटल पैनल की घोषणा की गई है। इसमें कोरबा जिला पाली विकास खंड अंतर्गत माध्यमिक शाला नुनेरा संकुल में पदस्थ शिक्षिका श्रीमती निर्मला शर्मा का नाम भी शामिल है। उनके अलावा जजमैंटल पैनल में कैंब्रिज यूनिवर्सिटी लंदन से इदु बहोत और तेजेंद्र शर्मा, वर्जीनिया अमेरिका से योगाचार्य धनंजय, फिल्म अभिनेत्रियां नीति सक्सेना चंडीगढ़, महिमा गुप्ता मुंबई व अभिलाषा झा, कोयलांचल यूनिवर्सिटी झारखंड की प्रवक्ता डॉ. पूजा सिंह का नाम शामिल है। उल्लेखनीय हैं की निर्मला शर्मा अपनी नवाचारी गतिविधियों के लिए प्रदेश के से साथ-साथ अन्य प्रदेशों से भी जुड़ी रही हैं। इनमे से गोरखपुर उत्तरप्रदेश से संचालित निपुण भारत सोशल अवेयरनेस ग्रुप भी विगत वर्षों से शिक्षिका से सहयोग ले रहा है तथा सीखने सीखाने के अपने अभियान मे उनके द्वारा तैयार गतिविधियों व वीडियो का उपयोग कर रहा है। इसी क्रम मे हर साल 26 जनवरी को आयोजित होने वाले इंटरनेशनल ऑनलाइन डांसिंग कंपीटीशन में इस भर निर्णायक की भूमिका में देश-विदेश की कई हस्तियों के साथ कोरबा के श्रीमती निर्मला शर्मा को भी शामिल किया गया है। श्रीमती निर्मला शर्मा अपनी नियुक्ति से ही लगातार एक नवाचारी शिक्षक और ब्लॉक व जिला स्तर मे मास्टर ट्रेनर के रूप मे कार्य करती रही हैं।

अस्वस्थ गीता नेताम का हाल जानने पहुंचे पहुंचे उसके निवास डॉ. चरणदास महंत

कोरबा । अपने कोरबा जिले के प्रवास और व्यस्त दौरे से अपना बहुमूल्य समय निकालकर बिलासपुर में शादी समारोह में जाने से पूर्व रात्रि 10 बजे नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत पाली पहुँचे। वहा उन्होंने वरिष्ठ राजनेत्री श्रीमती गीता नेताम के स्वास्थ्य का हाल जानने उनके टावर मोहल्ला स्थित निवास पहुँच कर गीता नेताम का कुशल क्षेम जाना। साथ ही उन्हें शीघ्र स्वस्थ्य होने शुभकामना दी। डॉ. महंत ने कहा कि ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि गीता देवी जैसे वरिष्ठ कर्मठ कार्यकर्ता का आशीर्वाद और स्नेह उन्हें और पार्टी को मिलता रहे। इस दौरान उनके साथ पूर्व विधायक मोहित राम केरकेट्टा, पाली ब्लॉक अध्यक्ष यशवंत लाल सहित पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डॉ. कलाम चौक स्थापित करने उठ रही मांग

कोरबा । कोरबा जिले के बालको नगर में भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम चौक स्थापित करने की मांग कलेक्टर से अल्पसंख्यक सभा ने की है। ज्ञापन में अल्पसंख्यक सभा के प्रदेशाध्यक्ष अफजल खान ने कहा कि बालको भारतीय एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड का प्रमुख क्षेत्र होने के साथ उसका देश की रक्षा और आंतरिक्ष तकनीक में महत्वपूर्ण योगदान भी है। बालको कंपनी ने मिसाइल निर्माण के भागों के उत्पादन से देश की प्रगति में अहम योगदान निभाया है। देश के वैज्ञानिक डॉ. कलाम भारत के मिसाइल मैन के नाम से जाने जाते हैं। उनके नेतृत्व में भारत वैश्विक तकनीकी शक्ति के रूप में स्थापित हुई। उनके जीवन और कार्य आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा बने हुए हैं। डॉ. कलाम के नाम पर चौक स्थापित करने से उनकी स्मृति को सम्मान मिलने के साथ ही क्षेत्र के औद्योगिक और वैज्ञानिक योगदान को मान्यता देगी।

युवा दिवस पर प्रधानमंत्री के भाषण का किया गया प्रसारण

कोरबा । नेहरू युवा केंद्र कोरबा के तत्वावधान में रविवार को युवा दिवस का आयोजन किया गया। स्वामी विवेकानंद के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। युवाओं को स्वामी विवेकानंद के जीवनी के विषय में बताया गया। युवाओं को जीवन में सही मार्ग पर चलकर सफलता प्राप्त करने और आगे बढ़ने प्रोत्साहित किया गया। भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के उद्बोधन का सीधा प्रसारण भी किया गया। इस मौके पर क्वीज प्रतियोगिता का आयोजन सीनियर क्लब सीएसईबी में किया गया।

स्वामी विवेकानंद नेशनल प्रिंसिपल अवार्ड से नवाजे गए इंडस स्कूल के प्राचार्य डॉ. संजय गुप्ता

विभिन्न नामचीन हस्तियों के कर कमलों से हुए सम्मानित

कोरबा। वैसे तो मनुष्य का जीवन विभिन्न उपलब्धियों एवं अभावों के मध्य गुजरता है परंतु कुछ लोग ऐसे होते हैं जो अपने जीवन में कुछ विशेष उपलब्धि हासिल कर एक नए मुकाम पर पहुंचते हैं। इन उपलब्धियों तक पहुंचाने हेतु न जाने कितने समर्पण और संघर्ष की आवश्यकता होती है। समाज को दिया गया कोई विशेष योगदान ही व्यक्ति को समझ में सदा के लिए जीवित रखता है।

मनुष्य के जीवन में जितना महत्त्व भोजन, कपड़े, हवा और पानी का है, उससे कहीं अधिक महत्त्व शिक्षा का है इसीलिए हमेशा ये ही कहा जाता है कि शिक्षा का मानव जीवन में बहुत महत्त्व है। शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जिससे मनुष्य में ज्ञान का प्रसार होता है। इंसान की बुद्धि का विकास शिक्षा अर्जित करने से ही होता है। शिक्षा मानव जीवन की एक महत्त्वपूर्ण इकाई है। शिक्षा न हो तो मनुष्य के जीवन की कल्पना भी मुश्किल है। शिक्षा ही हमें आगे कुछ करने के लिए आवश्यक होती है

नेतृत्व शब्द भले ही पढ़ने में आसान लगे परंतु इस शब्द का महत्व वही बता सकता है जिसने किसी जिम्मेदारी को बड़ी कुशलता से निभाया हो।यदि हमें नेतृत्व करने की जिम्मेदारी दी जाती है चाहे वह किसी भी क्षेत्र का हो तो हमारी सर्वप्रथम प्राथमिकता उसे पूरी ईमानदारी से वहां करने की होती है।ईश्वर हर किसी को इस गुण से नहीं नवाजता है। इतिहास गवाह है की जिसे भी यदि यह अवसर मिला और उसने यदि पूरी शिद्दत से अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया तो ऐसे नेतृत्व कर्ताओं का नाम हमेशा के लिए याद किया जाता रहा है । कुछ लोग हमेशा बड़ी तत्परता से काम करते दिखते हैं, पर गौर से देखने पर पता चलेगा कि जिस काम को एक घंटे में निपटाया जा सकता था, उसे बेकार में कई घंटों तक खींच रखा है। यदि आप अपनी काबिलियत का पूरा इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो अपने भीतरी माहौल को तनाव रहित एवं शांत रखना चाहिए। कोई काम करते समय पहले छूटे किसी और काम पर दिमाग भटक जाए, तो उस समय जो काम कर रहे हैं उसमें आपका पूरा लगाव नहीं होगा। इस तरह के बेमतलब के ख्यालों को जगह देंगे, तो वह आपकी तेजी को मंद करके आपकी काम करने की क्षमता को कम कर देगा। रही बात विद्यालय जैसी पवित्र व चुनौतियों से भरे संस्था के नेतृत्व की तो इस कार्य को वही बखूबी कर सकता है जिसमें धैर्य, कुशलता, अनुभव, ज्ञान, जिम्मेदारी, ईमानदारी, सामंजस्य, अनुशासन तथा दूरदृष्टि जैसे गुण हों। विद्यालय का संचालन एक ऐसा विशेष कार्य हैं जिसमें अथक परिश्रम एवं कुशल अनुभव की आवश्यकता होती है।विद्यालय में सभी कर्मचारियों के साथ तालमेल कायम रखते

हुए विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए मार्ग प्रसस्त करने का कार्य केवल वही प्राचार्य कर सकता है जिसमें ज्ञान; अनुभव; धैर्य एवं प्रबंधकीय गुण मौजूद हों। शिक्षा के क्षेत्र में अपना सर्वस्व न्योछावर कर स्कूल एवं विद्यार्थियो के उज्जवल भविष्य के कार्य करना विद्यालय संचालक का परम दायित्व होता है। प्राचार्य जो अपने अनुभव एवं कार्य कुशलता से विद्यालय को तरक्की के राह पर ले जाता है। ऐसे ही ऊर्जावान एवं कर्मठ व्यक्तित्व के धनी डॉ. संजय गुप्ता जो कि वर्तमान में इंडस पब्लिक स्कूल में प्राचार्य के रूप में अपनी सेवा दे रहें।इस वर्ष एक सर्वोच्च मीडिया ग्रुप एक उपदेश द्वारा वर्ष 2025 हेतु शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान ,समर्पण एवं विशिष्ट प्रबंधन के कार्य तथा कुशल संस्था का संचालन करने के लिए डॉक्टर संजय गुप्ता को स्वामी विवेकानंद नेशनल प्रिंसिपल अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। यह अवॉर्ड डॉक्टर संजय गुप्ता को 11 जनवरी 2025 को बेबीलोन कैपिटल रायपुर में विभिन्न ख्यातिलब्ध महनीय व्यतित्वों की उपस्थिति में प्रदान किया गया। विगत 47 वर्षों से शिक्षा जगत को अपनी सेवा देते हुए डॉ. संजय गुप्ता (प्राचार्य-इंडस पब्लिक स्कूल दीपका) ने अपना सर्वस्व विद्यार्थियों के लिए समर्पित करते हुए इस मुकाम को हासिल किया है। इस कार्यक्रम में विभिन्न लीडर, प्रोफेशनल, इनोवेटर्स, पॉलिटिशियंस जैसे ख्यातिलब्ध व नामचीन हस्ती मौजूद रहे। सभी महान हस्तियों की गरिमामयी उपस्थिति में इंडस पब्लिक स्कूल दीपका के प्राचार्य डॉक्टर संजय गुप्ता को स्वामी विवेकानंद नेशनल प्रिंसिपल अवार्ड 2025 से विशेष समारोह में सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि डॉक्टर संजय गुप्ता को यह उपलब्धि संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में उनकी शिक्षा के क्षेत्र में नित नए प्रयोग, नवाचार, कुशल प्रबंधन,रचनात्मकता,संवाद शैली, बेहतर परीक्षा परिणाम,स्वच्छ विद्यालय वातावरण ,पेरेंट्स सेटिस्फेक्शन, हैप्पी एनवायरनमेंट, सामाजिक सरोकार, जागरूकता,राष्ट्र के प्रति पूर्णत: समर्पित भावी पीढ़ी के निर्माण इत्यादि विभिन्न मापदंडों में खरा उतरने पर प्रदान किया गया।

चावल व्यवसायी रुढ़मल अग्रवाल का हुआ निधन

कोरबा। कोरबा अंचल के सीतामणी क्षेत्र में संचालित प्रतीष्ठित लब्धख्याति संस्थान मेसर्स रुढ़मल अग्रवाल के संचालक चावल व्यवसायी रुढ़मल अग्रवाल का 72 वर्ष का रात्रि लगभग 2:30 पर निधन हो गया हैं।

सरल, सहज, शांत, मृद भासी, धार्मिक प्रवित्ति के चावल व्यवसायी स्व. श्री रुढ़मल अग्रवाल के निधन की खबर से परिजनों, रिश्तेदारों, मित्रगणो, सहित कोरबा अंचल में शोक की लहर दौड़ गयी हैं। उनकी अंतिम यात्रा उनके निज निवास स्थान सीतामणी से दोपहर 2:00 बजे मोतीसागर पारा मुक्तिधाम जाएगी। जहाँ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। वे अपने पीछे भाई संतोष अग्रवाल, पुत्र शिव अग्रवाल, राज अग्रवाल, पुत्रवधु, पोता-पोती, नाता-नातिन सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

पर्यवेक्षक होरा ने ली कार्यकर्ताओं की बैठक कहा योग्य कार्यकर्ता को बनाया जाएगा उम्मीदवार

कोरबा । नगर पालिक निगम कोरबा के आगामी चुनाव को लेकर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा कोरबा निगम के लिए नियुक्त किये गए पर्यवेक्षक प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक श्री गुरूमुख सिंह होरा के मुख्य आतिथ्य में जिला कांग्रेस कार्यालय टी पी नगर में एक बैठक आयोजित की गई। आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए पर्यवेक्षक श्री गुरूमुख सिंह होरा ने बताया कि आगामी नगर पालिक निगम कोरबा के चुनाव में संबंध मे मेरे पर्यवेक्षक बनने के बाद ये पहली बैठक है। आज इस बैठक में कांग्रेस जनो की बड़ी संख्या में उपस्थिति इस बात का सबूत है कि कोरबा निगम क्षेत्र के कार्यकर्ता चुनाव के लेकर संवेदनशील एवं सक्रिय है। प्रक्रिया के तहत महापौर एवं पार्षदो के उम्मीदवार नियमानुसार तय किये जायेंगे। पार्टी के द्वारा योग्य व्यक्ति को उम्मीदवार बनाया जायेगा और हम सब एकजुट होकर प्रत्याशी को जीताने का काम करेंगे। पर्यवेक्षक श्री होरा जी के पास बहुत से दावेदारो ने वन टू वन मुलाकात किया एवं पार्षद टिकट के लिए आवेदन जमा किया।
बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व केबिनेट मंत्री श्री जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि पिछली बार श्री होरा जी पंचायत चुनाव में पर्यवेक्षक बन कर आये थे और इनके मार्गदर्शन में जिला पंचायत में कांग्रेस का अध्यक्ष निर्वाचित हुई थी। होरा जी कोरबा के लिए शुभ है और इस बार भी इनके मार्गदर्शन में और हम सभी कांग्रेसजनो की एकजुटता एवं सक्रियता के कारण कोरबा निगम में कांग्रेस की सरकार बनेगी। श्री अग्रवाल ने बताया कि 2014 के चुनाव में श्रीमती रेणु अग्रवाल ने निगम के चौथे कार्यकाल में कांग्रेस पार्टी के प्रथम महापौर के रूप में कार्यभार संभाला था और उसके बाद विकास कार्यो की गंगा बहाते हुए पेयजल की समस्या से कोरबा निगम वासियों को निजात दिलाया। घर-

घर पानी पहुंचाया एवं लगभग 50 हजार घरों में निशुल्क नल कनेक्शन लगवाया। निगम के पांचवे कार्यकाल में 2020 में दूसरी बार कांग्रेस के महापौर के रूप में राजकिशोर प्रसाद ने कार्यभार संभाला। दो साल के कोरोना वैश्विक संकट के बावजूद निगम क्षेत्र के सभी वार्डों में आवश्यकता अनुसार सड़क, नाली, नाला, सामुदायिक भवन, सामुदायिक मंच, बिजली एवं अन्य विकास कार्य संपन्न हुए। इसी कार्यकाल में कांग्रेस सरकार द्वारा शासकीय भूमि पर काबिज लोगों को पट्टा देने का महान कार्य किया गया। भाजपा की सरकार ने कभी पट्टा देने का काम नहीं किया। ये सब उपलब्धियां कांग्रेस के कार्यकर्ता जनता को बतायेंगे। श्री अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि आने वाले चुनाव में कांग्रेस कार्यकर्ता एकजुटता के साथ काम करते हुए निगम में कांग्रेस की सरकार बनायेंगे। पूर्व महापौर राजकिशोर प्रसाद ने अपना विचार व्यक्त करते हुए बताया कि वर्तमान में केन्द्र और प्रदेश में कांग्रेस की सरकार नही है, इसलिए हम सभी कांग्रेसजन संकल्प लेकर कोरबा निगम में कांग्रेस का महापौर बनायेंगे एवं ज्यादा से ज्यादा पार्षद जीता कर निगम की कांग्रेस की सत्ता का हैट्रिक बनायेंगे। बैठक को पूर्व जिला अध्यक्ष श्रीमती उषा तिवारी, महिला प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा त्रिपाठी, जिला कांग्रेस महिला अध्यक्ष कोरबा शहर श्रीमती कुसुम द्विवेदी, जिला उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह ठाकुर, ब्लॉक अध्यक्ष दुष्यंत शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष सनीष कुमार, अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ महिला जिला अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा पात्रे, मालती किन्नर आदि ने संबोधित किया। कार्यक्रम में प्रारंभ मेंपर्यवेक्षक श्री गुरूमुख सिंह होरा जी एवं पूर्व मंत्री श्री जयसिंह अग्रवाल जी का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। स्वागत उद्बोधन जिला अध्यक्ष श्रीमती सपना चौहान द्वारा दिया गया एवं आभार प्रदर्शन ब्लॉक अध्यक्ष संतोष राठौर द्वारा किया गया। बैठक का संचालन पूर्व सभापति श्यामसुंदर सोनी ने किया। उक्त बैठक में सुरेश सहगल, अर्चना उपाध्याय, धुरपाल सिंह कंवर, प्रदीप पुरायणे, अमन पटेल, गजानंद बरेठ, गिरधारी बरेठ, अमरू दास महंत, मो. शहिद, शांता मंडावे, मुकेश राठौर, संतोष लांझेकर, नारायण कुर्रे, रामगोपाल यादव, सीमा उपाध्याय, महेन्द्र चौहान, सीताराम चौहान, अविनाश बंजारे, गंगाराम भारद्वाज, देवी दयाल, कृपाराम साहू, पालूराम साहू, रामायण दास महंत, राजेश यादव, अनुज जायसवाल, बद्री किरण, एफ डी मानिकपुरी, वीरसाय, रोपा तिर्की, मनीराम साहू, बच्चूलाल मखवानी, पुष्पा पात्रे, बसंत चंद्रा, सुखसागर निर्मलकर, प्रदीप जायसवाल, बंटी शर्मा, रामायण दास महंत, महेन्द्र निर्मलकर, गौरी चौहान, द्रोपदी तिवारी, मालती किन्नर, शशी अग्रवाल, मनीषा अग्रवाल, लक्ष्मी महंत, माधुरी ध्रुव, संगीता श्रीवास, आशिष गुप्ता, मनोहर लाल, राम नारायण, ओंकार, राकेश, सुनील त्रिपाठी, ओमप्रकाश, छबि बाल्मिकी, देव जायसवाल, रवि खुंटे, मदन सिंह, विजय आनंद, सुकृत दास महंत, रोशन कुमार, किरण, संजय दुबे, मो. कलीम, देवकी नंदन, एहसान, आशा जोशी, समसुद्दीन, विमल थवाईत, मुन्ना खान, कुंज बिहारी साहू, जगन्नाथ थवाईत, श्याम बाई, इंदिरा नवरंग, डोरी लाल, त्रिवेणी मिरी, प्रदीप सागर, शिवकुमार, अमीन भुट्टो, ओम प्रकाश महंत, बरनाबस लकड़ा, नरोत्तम दास महंत, केशव सराफ, लक्ष्मी प्रसाद, विनोद अग्रवाल, मो. रईस, निर्मल कुमार साहू, चालेश्वर सिंह, बिसाहू दास, प्रिती शर्मा, दिनेश शर्मा, उमेश नायक, तस्लीम खान, राजा क्षत्रिय, रामइकबाल सिंह, ओमप्रकाश प्रेमलाल वर्मा, शिवानी सिंह कंवर, ग्रेसमाग्रेट टोप्पो, विनीत एक्का, फोटू लाल, राजेश पटेल, सत्यप्रकाश, रमेश वर्मा, रथलाल चौहान, सुमेश भगत, ऐशवर्धन, संतोष ठाकुर, बजरंग अग्रवाल, पुरन चंद्रा, विनोद, अंजलिना केरकेट्टा, ज्योतिष कुमार, हिमांशु कुमार, लक्ष्मण लहरे, राजेश पटे, संजय दुबे, कलीम अंसानी, पवन चौहान, रमेश साहू, अमित सोनी, बनवीर सिंह, शशि शंकर साहू, सूर्यकांत महंत, प्रदीप यादव, सुरेश पात्रे, बलराम यादव, कन्हैया यादव, विपिन भगत, विकास सिंह, संजय यादव, विनोद सोनकर, कन्हैया श्रीवास, वर्धन भारिया, शिवदास, विनीत श्रीवास, किशन मिरी, संजय भगत, कंचन लाल राव, कौशल प्रसाद जगत, नाजीर खां, प्रदीप सागर, चेलवा बंजारे, आजाद बक्श, संतोष सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आत्म निर्भरता की तरफ युवाओं ने कदम बढ़ाए, कई को दिया रोजगार

जांजगीर। नवाचार के जरिए पंचायत क्षेत्र के लोगों ने आत्मनिर्भर बनने का प्रयास शुरू कर दिया है। अपनी अलग सोच और सरकारी योजनाओं के चलते जहां उनके परिवार का आसानी से भरण पोषण हो जा रहा है, वहीं काम को नए तरीके से करने से उनकी कमाई भी दिनों दिन बढ़ती जा रही है। अपने प्रोडक्ट को लांच करने से लेकर उसके प्रचार-प्रसार तक वे ऑनलाइन फ्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे घर में ही उनके पास आसानी से ऑर्डर पहुंच रहे हैं। ऑर्डर को तय समय में पूरा कर वे अपने ग्राहकों की संख्या लगातार बढ़ाते हैं। इससे वे आसपास के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की मिसाल बनते जा रहे हैं।

ऐसे काम करने वालों में ग्रामीण क्षेत्र की महिला और पुरुष दोनों शामिल हैं। उनकी घर बैठे इतनी इनकम हो जा रही है कि उन्हें अब नौकरी की जरूरत नहीं है। वे नौकरी की बजाय मालिक की तरह जीवन का गुजर-बसर कर रहे हैं। खबर में कुछ ऐसे लोगों के संबंध में जानकारी दे रहे हैं। जिन्होंने नवाचार को अपनाकर अपनी जिंदगी की तस्वीर बदल ली है। 1. ड्रोन से एक लाख रुपए की कमाई गांवों में महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर सीमित हैं। ऐसे में बिहान समूह सहित अन्य महिला समूह जैसे प्लेटफॉर्म महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है। हैं। ग्राम पोड़ी की महिला हेमलता मनहर को सरकारी योजना में ड्रोन ?मिला तो उससे खेतों में दवा का छिड़काव करना शुरू किया। पिछले सीजन में इस काम से उन्हें करीब 90 हजार रुपए की इनकम हुई है। उन्हें 26 जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों सम्मानित किया जाएगा।

इन तीन उदाहरण से जानिए युवाओं ने कैसे बदली अपनी किस्मत

3. पैरा से कलाकृति बनाने की ट्रेनिंग दी शासन के सहयोग से युवक की ओर से 20 लोगों को पैरा से कलाकृति बनाने की ट्रेनिंग दी जा रही है। चूड़ामणी सूर्यवंशी ने पैरा की कला से बच्चों को नए हुनर सिखाने में लगे हुए हैं। छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड की सहयोग से जिले के गांव में करीब तीन माह तक निशुक्ल पैरा से कलाकृति बनाने का प्रशिक्षण लेने के बाद वे इसके बने प्रोडक्ट ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीके से बेच सकेंगे।

नारायण को घंटों बांधे रखने की क्षमता व्यक्ति में नहीं: राजकुमार

जांजगीर। श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह में आचार्य पं. राजकुमार मिश्र महाराज ने श्रीकृष्ण के जन्मकथा का वर्णन किया। बताया कि उनके जन्म की खुशी में याचकों को अपार धन, अन्न, गाय आदि का दान किया गया। इसके बाद उनके दिव्य दर्शन करा कर सैकड़ों श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया।

उन्होंने श्रीकृष्ण के बाल लीला का व्याख्यान करते हुए कहा कि वे माखन चुरा कर इसलिए खाते थे, कि ताकि मैया यशोदा की डांट उन्हें खानी पड़े। मां के डांट में उन्हें प्यार नजर आता था। यशोदा मैया जब श्रीकृष्ण के नटखटता से त्रस्त हो गई तो एक बार उन्हें ओखल में बांध दिया और अपने दैनिक कार्य को निबटाने लगी, लेकिन साक्षात नारायण अवतार को बांध कर रखना कोई मामूली बात नहीं थी। फिर तो बड़े-बड़े वृक्ष गिरने लगे धरती हिलने लगी। तब यशोदा मैया को एहसास हुआ कि उनका पुत्र कोई मामूली बच्चा नहीं। साक्षात नारायण को पुत्र के रूप में पाकर वह धन्य-धन्य हो गई।

उन्होंने पूतना वध से लेकर गोपियों संग रासलीला की प्रस्तुति भी बड़े ही मनोरम तरीके से प्रस्तुत किया। भागवत कथा सुनने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ कथा स्थल पर उमड़ी। श्री नन्द जी जीवात्मा, मथुरा देह, गोकुल हृदय जब गोकुल छोड़कर देह रूपी मथुरा में जाते हैं, तब अज्ञान रूपी पूतना उत्पात करती है। आचार्य राजकुमार मिश्र ने बताया कि श्री कृष्ण जी ने काम क्रोध लोभ मोह अहंकार रूपी तृणावर्त, सकरा सुर, अधासुर, बकासुर आदि दैत्यों का संहार किया।

25 अनफिट स्कूली बसों पर हुई कार्रवाई

जांजगीर। 36 वां राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत रविवार को स्कूली वाहनों की फिटनेस और ड्राइवरों की स्वास्थ्य जांच की। जांच के दौरान 69 स्कूली वाहनों की फिटनेस जांच की। जांच के दौरान 25 वाहनों में ?कमी पाई गई, जिनसे 11 हजार रुपए समन शुल्क वसूला गया। शिविर में स्कूल वाहन चलाने वाले ड्राइवर का बीपी, शुगर, नेत्र की जांच एवं जनरल चेकअप भी कराया गया। साथ ही कार्यक्रम के तहत आग लगने से उचित बचाव के लिए अग्निशमन का भी प्रशिक्षण दिया गया। यातायात प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार जोशी ने उपस्थित नागरिकों को यातायात नियमों का पालन करने की समझाइश दी। उन्होंने ड्राइवरों से सड़क दुर्घटनाओं को रोकना, यातायात नियमों के पालन को बढ़ावा देना, और लोगों को सुरक्षित यातायात व्यवस्था के लिए प्रेरित किया। साथ ही हमेशा यातायात नियमों का पालन करने, वाहन के सभी दस्तावेज दुरुस्त रखने, बिना हेलमेट और बिना सीट बेल्ट के वाहन न चलाने की अपील की।

न्यूनतम तापमान में आंशिक बढ़ोतरी होने से कुछ राहत

जांजगीर। हवा की दिशा में अधिक परिवर्तन होने के कारण वातावरण में नमी की मात्रा बढ़ रही है। यही वजह है कि जिले के न्यूनतम तापमान में 2 डिग्री की बढ़ोतरी हो गई है। रविवार को न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। शनिवार को न्यूनतम तापमान 12 डिग्री था। न्यूनतम में अभी और बढ़ोतरी होने की संभावना है। हालांकि रात में ठंड का असर कम नहीं हुआ। जनवरी माह में अच्छी ठंड महसूस हो रही है। अंबिकापुर और जशपुर में न्यूनतम तापमान 2 से 4 डिग्री तक पहुंच चुका था। वहां पाला और वहां की शीतलहर का असर जरूर जिले में दिख रहा है। मौसम के बदलाव के कारण पिछले सप्ताह भर से अधिकतम व न्यूनतम तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव रहा है। मौसम विभाग के अनुसार एक पश्चिमी विक्षोभ पाकिस्तान के ऊपर 3.1 किलोमीटर से 9.4 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। इसके प्रभाव से एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पश्चिम राजस्थान के ऊपर 1.5 किमी ऊंचाई तक विस्तारित है। इनके संयुक्त प्रभाव से हवा की दिशा में और अधिक परिवर्तन होने की संभावना है। इसके कारण वातावरण में नमी की मात्रा बढ़ रही है। न्यूनतम तापमान में 1-2 डिग्री सेल्सियस के आसपास वृद्धि संभावित है। पश्चिमी विक्षोभ की वजह से बादल छाए पश्चिमी विक्षोभ के असर के कारण पिछले दो दिन से आसमान में बादल छा रहे हैं। मौसम विभाग ने 13 जनवरी को राज्य के अलग-अलग हिस्से में बारिश होने संकेत दिए हैं। बिलासपुर संभाग के 11 जिलों में (सोमवार) गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। बारिश के कारण वातावरण में नमी बढ़ेगी। इससे अगले तीन से चार दिनों में रात का तापमान दो से चार डिग्री तक बढ़ सकता है।

किशोरी से दुष्कर्म करने वाला युवक गिरफ्तार

जांजगीर। कोटाडबरी का रहने वाला युवक एक किशोरी को शादी का झांसा दिया और उसके से दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार सारागांव थाना क्षेत्र में रहने वाला ग्रामीण थाना पहुंचा और उसने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी नाबालिग बेटी को आरोपी अपने साथ ले गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ जुर्म दर्ज कर विवेचना में लिया और उसकी पतासाजी शुरू की। पुलिस ने कोटाडबरी के युवक समीर कुमार कुर्रे को हिरासत में लिया और उससे पूछताछ की। पुलिस ने आरोपी युवक के कब्जे से किशोरी को बरामद किया। पुलिस ने पीड़िता के बयान के आधार पर आरोपी युवक के खिलाफ बीएनएस और पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया है।

औराई खुर्द में श्रीमद भागवत कथा कल से प्रारंभ

जांजगीर। ग्राम औराई खुर्द में 14 से 22 जनवरी तक श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में कथा व्यास आचार्य दिलीप तिवारी होंगे। आयोजन में 14 मई को दोपहर 1 बजे कलश यात्रा के साथ कथा का शुभारंभ होगा। 15 जनवरी को महाभारत प्रसंग, कपिलोपाख्यान, 16 जनवरी को जड़ भरत प्रसंग, प्रहलाद चरित्र, 17 जनवरी को वामन प्रसंग, श्रीराम चरित्र, श्री कृष्ण जन्मोत्सव, 18 जनवरी को बाल लीला, गोवर्धन पूजा, 19 जनवरी को उद्धव चरित्र, श्री कृष्ण रूखमणी विवाह, 20 जनवरी को सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष व चढ़ोत्री, 21 जनवरी को हवन , पूर्णाहुति , सहस्त्र धारा , ब्राह्मण भोज के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। कथा प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से होगी। आयोजक फूल बाई साहू, उमेंद राम साहू, मोतिन बाई साहू ने श्रद्धालुओं से बड़ी संख्या में उपस्थिति का आग्रह किया है।

युवाओं ने प्रेरणास्त्रोत विवेकानंद की जयंती मनाई

जांजगीर चाम्पा। नगर के युवाओं ने युवाओं के प्रेरणास्त्रोत स्वामी विवेकानंद जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस बीटीआई चौक में मनाई गई। स्वामी विवेकानंद जी के कथन उठो, जागो और तब तक न रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।आदर्शों और विचारों को अपनाकर जीवन को राष्ट्र निर्माण में लगाने का संकल्प लिया। राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में आज भारत माता की आरती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे।

पटना नगर पंचायत बनने के बाद 10 महिलाओं को मिला रोजगार

पटना। पटना नगर को साफ-सुथरा बनाने में स्वच्छता दीदियां अपना विशेष योगदान दे रही है। नगर पंचायत बनने के बाद 10 महिलाओं को मिला रोजगार स्वच्छता दीदियां नगर में घूम कर चौक-चौराहों की सफाई अभियान चला रही है और अच्छा वेतन भी कमा रही है। कार्य करने वाली सरिता ने बताया कि पहले मजदूरी करती थी मगर अब परमानेंट रोजगार पाकर मैं बहुत खुश हूं वही शीतल सारथी ने बताया कि कोई काम नहीं था अब अच्छा काम मिल गया है सरिता ,सुनीता कविता ,रीता,दिलाशो, सरस्वती, सानिया रानी सभी अपने काम के प्रति खुश है व बताया कि घर खर्च आराम से चल रहा है। वहीं मुख्य नगर पालिका अधिकारी सिकंदर सिद्धार्थ ने बताया कि गीले व सूखे कचरे को अलग कर खाद बनाने का जब काम शुरू होगा तो स्वच्छता दीदियों की आय में बढ़ोतरी होगी और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

वार्षिक उत्सव पर छात्रों को मिला कौशल दिखाने का अवसर

सक्ती। अनुनय कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल की तीन दिवसीय वार्षिक उत्सव का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि क्षेत्र की सांसद कमलेश जांगड़े थीं।

सरस्वती वंदना और नृत्य ग्यारहवीं की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया। स्वागत नृत्य के पश्चात मयूर डांस भी प्रस्तुत किया गया। नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल, पूर्व उपाध्यक्ष महबूब खान, रामावतार अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, जिला शिक्षा अधिकारी नरेंद्र कुमार चंद्रा, सहायक जिला शिक्षा अधिकारी राकेश अग्रवाल, विकासखंड शिक्षा अधिकारी केपी राठौड़ और अनिल दरयानी व तेज प्रकाश उपाध्याय भी इस अवसर पर उपस्थित थे। जिला शिक्षा अधिकारी नरेंद्र कुमार

चंद्रा ने भी संस्था को जिले की एक महत्वपूर्ण संस्था बताया। संस्था प्रमुख योगेश साहू ने भी कार्यक्रम को संबोधितं कया। इस अवसर पर संस्था के कुछ भूतपूर्व छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया,जो वर्तमान में अच्छी नौकरी पा चुके हैं। इसमें जनपद पंचायत सीईओ प्रीति पवार, सीए शुभी अग्रवाल, असिस्टेंट बैंक मैनेजर अविनाश राजपूत का नाम शामिल है। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया, जिसमें नीट, जेईई और पीएटी में चयनित 10 विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। पिछले सत्र मे 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 85त्न से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 30 विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया। प्रथम आने वाले विद्यार्थियों को 5000 व अन्य सभी को एक 1000 रुपए व मेडल दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम से उन्होंने लोगों का मन मोह लिया।

प्रतिष्ठा द्वादशी पर दुरपा में निकाली शोभा यात्रा

बाराद्वार। ग्राम दुरपा में अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण को 1 वर्ष पूर्ण होने पर प्रथम वर्षगांठ धूमधाम से मनाया गया। दुरपा के गुडी चौक से दोपहर 4 बजे डीजे के साथ भजन कीर्तन करते हुए ग्रामीणों ने रामचन्द्र की झांकी सजाकर शोभायात्रा निकाली गई, जो गांव के प्रमुख मार्गों का भ्रमण करने के बाद वापस हनुमान मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। इस मौके पर मंदिर में विशेष पूजा का भी आयोजन किया गया। ग्राम दुरपा सरपंच धायत्री सुखीराम राठौर ने बताया कि गांव के सभी रामभक्त और महिलाएं हाथों में ध्वज लेकर भजन कीर्तन करते हुए शोभायात्रा में बड़ी संख्या में शामिल हुए।

12वीं के छात्र ने किया सुसाइड

बिलासपुर। बिलासपुर में 12वीं कक्षा के छात्र ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। उसके आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चला है। सुसाइड करने से पहले वो स्कूल के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में गया था, जहां परिजनों से बात हुई थी। तब छात्र ने छुट्?टी पर घर जाने के बजाए पढ़ाई करने की बात कही थी। घटना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र की है।

जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ निवासी वैभव साहू (18) संदीपनी पब्लिक स्कूल में 12वीं कक्षा का छात्र था। वो यहां टिकरापारा में किराए पर रूम लेकर रहता था। परिजनों ने बताया कि, शनिवार को उसके स्कूल में वार्षिकोत्सव का आयोजन था। जिसमें शामिल होने के लिए वैभव स्कूल गया था। फिर रात में घर आकर उसने फांसी लगा ली।

बेटे की मौत की खबर सुनकर रोते-बिलखते रहे परिजन।

बेटे की मौत की खबर सुनकर रोते-बिलखते रहे परिजन।

फोन नहीं उठाया तब पहुंचे परिजन, फंदे पर लटकती मिली लाश परिजनों ने बताया कि, शनिवार को जब वो स्कूल में था, तब उनकी बात हुई थी। जिसके बाद रात करीब 10 बजे उन्होंने वैभव के मोबाइल पर फोन लगाया। लगातार घंटी बज रही थी। लेकिन, उसका फोन रिसीव नहीं हुआ। इससे घबराए परिजन पामगढ़ से बिलासपुर उसके रूम आ गए। यहां पता चला कि उसकी लाश फंदे पर लटक रही है। उन्होंने इस घटना की जानकारी पुलिस को दी।

पिता बोले- पढ़ाई में था होशियार, मौत की निष्पक्ष जांच हो

वैभव के पिता धर्मेंद्र साहू ने कहा कि, उनका बेटा पढ़ाई में बहुत होशियार था और वो छ्वश्वश्व और हृश्वश्व की तैयारी भी कर रहा था। वैभव में कोई ऐब भी नहीं था, जिससे वो सुसाइड करे। उन्होंने अपने बेटे की मौत पर न्याय की मांग करते हुए पुलिस अफसरों से निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। ताकि, बेटे की मौत के सही कारणों का पता चल सके।

आत्महत्या करने से पहले की थी बात

बताया जा रहा है कि, आत्महत्या करने से पहले वैभव ने अपने परिवार के सदस्यों से मोबाइल पर बात की थी। तब वो सामान्य था। उसने छुट्टियों के दौरान घर आने के बजाए अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने की बात की थी। लेकिन, अचानक ऐसा क्या हुआ, जिसके कारण उसे आत्महत्या करनी पड़ी।

पुलिस बोली- मोबाइल से खुल सकता है सुसाइड का राज इधर, सिटी कोतवाली टीआई विवेक पांडेय ने बताया कि, छात्र के कमरे की तलाशी ली गई है। वहां कोई सुसाइड नोट वगैरह बरामद नहीं हुआ है और न ही सुसाइड के कारणों का पता चल सका है। छात्र के मोबाइल को पुलिस ने जब्त कर जांच के लिए साइबर सेल भेजा है। उसकी जांच के बाद ही आत्महत्या के कारणों का पता चल सकता है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कुसुम प्लांट हादसा:3 दिन बाद शव ले गए परिजन

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले के कुसुम प्लांट में हादसे के बाद प्रबंधन ने मुआवजा देने से कतराते रहा। इसलिए दो शव बिलासपुर के सिम्स अस्पताल में दो दिन तक पड़े रहे। रविवार देर शाम दोनों पक्षों के बीच सहमति बनी।

फीटर अवधेश कश्यप के परिवार को 35 लाख और इंजीनियर जयंत साहू के परिजन को 44 लाख का मुआवजा दिया गया। तब 3 दिन बाद परिजन मृतकों के शव ले गए। वहीं, हेल्पर प्रकाश यादव और मनोज घृतलहरे के परिवार को 23-23 लाख मुआवजा दिया गया था।

दरअसल, रायपुर-बिलासपुर एनएच पर सरगांव के पास रामबोड़ स्थित कुसुम स्मेल्टर प्राइवेट लिमिटेड में 9 जनवरी को साइलो गिरने से कर्मचारी दब गए थे। इनमें इंजीनियर जयंत साहू, सीनियर फीटर अवधेश कश्यप, दो हेल्पर प्रकाश यादव और मनोज धृतलहरे समेत 4 लोगों की मौत हो गई थी।

प्लांट से चारों शव को निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए सिम्स भेजा गया। जिसके बाद मॉर्च्युरी में रखी लाशों पर प्लांट प्रबंधन की तरफ से प्रशासनिक अफसर पूरे दिन बहस करते रहे। इस दौरान इंजीनियर जयंत साहू का परिजनों ने 1 करोड़ मुआवजा के बिना लाश लेकर जाने से इनकार कर दिया।

वहीं, सीनियर फिटर और हेल्पर के परिजन 50-50 लाख रुपए मुआवजे की मांग पर

अड़े रहे। अफसर सभी को एक-एक कर बंद कमरे में ले जाकर बातचीत करने की कोशिश करते रहे। फिर प्रकाश के परिजन 1 लाख रुपए कैश और 22 लाख रुपए का चेक लेकर शव घर ले गए।

मनोज के परिजन भी इतने ही मुआवजे पर सहमत हो गए। दो परिजनों के बीच सहमति नहीं बन पाने के कारण रविवार को भी उनका शव मॉर्च्युरी में पड़ा रहा।

मुआवजे से नहीं हो सकती भरपाई, परिवार चलाने की मजबूरी

इंजीनियर और सीनियर फिटर के परिजन देर रात तक सिम्स के मॉर्च्युरी में ही डटे रहे। रविवार की सुबह से प्रशासन और प्रबंधन के साथ उनकी चर्चा शुरू हुई। परिजनों का कहना था कि उनके परिवार ने जो खोया है, उसकी भरपाई कोई नहीं कर सकता। लेकिन, परिवार चलाने के लिए मुआवजा जरूरी है।

परिवार के एकमात्र जिम्मेदारी निभाने वाले की गैरमौजूदगी में उनके बच्चों को कोई परेशानी न हो, इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रबंधन को उठानी चाहिए। उनके पूरी सैलरी परिजनों को देनी चाहिए। ताकि बच्चों की पढ़ाई जारी रहे और उनकी पत्नियां अपना जीवन यापन कर सकें।

इंजीनियर जयंत साहू के भतीजे अजीत ने बताया कि, उनके चाचा ईमानदार इंजीनियर थे। काम के लिए परिवार तक को समय नहीं दे पाते थे। उनकी पूरी सैलरी जोड़ी जाए, तो एक करोड़ से अधिक होती है। बोनस, पीएफ नहीं चाहिए, सिर्फ एक करोड़ की राशि पत्नी और बच्चों को दी जाए। ताकि उन्हें भविष्य में कोई आर्थिक संकट का सामना न करना पड़े।

देर शाम बनी सहमति, इंजीनियर को 44 तो फिटर के परिजन को 35 लाख

दिन भर चर्चा का दौर चलता रहा। हादसे में लापरवाही के बाद प्रबंधन मुआवजा देने के लिए मनमानी करने पर अड़ा रहा। प्रशासन की अध्यस्थता के बाद परिजनों और प्रबंधन के बीच देर शाम सहमति बनी। इस दौरान इंजीनियर जंयत साहू के परिजनों ने बताया कि उन्हें 44 लाख रुपए का मुआवजा दिया गया।

जबकि, मृतक फीटर अवधेश कश्यप के परिवार को 35 लाख रुपए मुआवजा दिया गया। जिसके बाद दोनों शवों का पोस्टमॉर्टम हुआ और परिजन शव लेकर रवाना हुए। बता दें कि एक दिन पहले शनिवार को हादसे में मृत प्रकाश यादव और मनोज घृतलहरे के परिवार को 23-23 लाख मुआवजा दिया गया था।

इधर, कलेक्टर ने जांच रिपोर्ट मांगी

रामबोड़ ग्राम स्थित कुसुम प्लांट में हुए हादसे को लेकर मुंगेली कलेक्टर राहुल देव ने कई बिंदुओं पर जांच रिपोर्ट मांगी है। औद्योगिक सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को प्लांट में लगे हर साइलो के उपयोग की पूरी तरह जांच कर सभी दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा है। एक निर्देश श्रम विभाग को दिए हैं।

जिसमें कहा गया है कि श्रम न्यायालय में फैक्ट्री एक्ट के प्रावधानों के तहत जांच कर रिपोर्ट पेश करें। पर्यावरण विभाग के अधिकारियों को फैक्ट्री में पर्यावरणीय मानकों के पालन पर तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने कहा गया है। कलेक्टर ने जांच पूरी होने तक प्लांट का संचालन पूरी तरह बंद रखने के लिए कहा है।

सरस्वती विद्यालय में जयंती पर याद किया स्वामी विवेकानंद को

बाराद्वार। स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों और छात्रों ने शोभायात्रा निकालते हुए स्वामी विवेकानंद जयंती मनाई। स्कूल परिसर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद जी के प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इसके बाद शिक्षकों ने स्वामी विवेकानंद की जीवनी पर प्रकाश डाला गया। इसके बाद प्राचार्य उदय राम साहू के नेतृत्व में विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं द्वारा विद्यालय परिसर से प्रमुख मार्गों पर घोष दल के साथ विवेकानंद की आकर्षक झांकी की अगुवाई में शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में विद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं और शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल थे।

अनमोल वचन......

अपनी सारी आशायें भगवान पर छोड़ दें, तब किसी भी व्यक्ति से कोई निराशा नहीं मिलेगी।

परीक्षाओं पर संदेह का साया

उत्तरी राज्यों में सरकारी नौकरियों में भर्ती की तमाम परीक्षाओं पर संदेह का साया घिरा हुआ है। पेपर इतनी बार लीक हुए हैं या इन्हें अदालतों ने रद्द किया है कि परीक्षाओं को लेकर अविश्वास का माहौल बनना लाजिमी है। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की संयुक्त (प्रारंभिक) परीक्षा में शामिल हुए छात्र दोबारा इम्तहान की मांग को लेकर जिस ढंग से जान दांव पर लगाए हुए हैं, उसके कारणों को समझना बेहद जरूरी है। इसके दो प्रमुख आयाम हैः पहला यह कि उत्तरी राज्यों में सरकारी नौकरियों में भर्ती के होने वाली तमाम परीक्षाओं की संदिग्ध हो चुकी है।

पेपर इतनी बार लीक हुए हैं या गड़बडियों के आरोप में इन्हें इतनी बार अदालतों ने रद्द किया है कि परीक्षाओं को लेकर अविश्वास का माहौल बना चुका है। दूसरा पहलू समाज में अच्छे रोजगार के अवसरों का बेहद सिकुड़ जाना है। इस कारण सरकारी नौकरियां ही स्थिर करियर का एकमात्र आश्वासन रह गई हैं।

बिहार एवं उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में, जहां निजी कारोबार में सम्मानजनक काम पाने की गुंजाइशें बेहद सीमित हैं, वहां इन नौकरियों को लेकर मारामारी मचने की मिसालें और भी ज्यादा देखने को मिल रही हैं।

पटना की सड़कों पर बिहार के विभिन्न इलाकों से आए सैकड़ों छात्र दो हफ्तों से कड़ी ठंड के बीच बीपीएसी परीक्षा को दोबारा आयोजित करने की मांग इसलिए कर रहे हैं, क्यों उन्हें पेपर लीक का शक है।

छात्रों ने परीक्षा में कई दूसरी तरह की अनियमितताओं के आरोप भी लगाए हैं। इनमें प्रश्न पत्र के स्तरहीन होने और कोचिंग संस्थानों के मॉडल सवालों के मेल खाने के इल्जाम शामिल हैं। आरोप है कि कई केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरा और जैमर काम नहीं कर रहे थे। कुछ केंद्रों पर प्रश्न पत्र देरी से वितरित किए गए। परीक्षा से कुछ समय पहले भी ये छात्र पटना में इकट्ठा हुए थे। तब उनकी मांग थी कि सारे राज्य में एक ही दिन, एक ही समय, और एक ही प्रकार के प्रश्न पत्र पर इम्तहान लिया जाए। विरोध को देखते हुए अलग-अलग केंद्रों पर अलग परीक्षा आयोजित करने का इरादा बिहार लोक सेवा आयोग ने तब टाल दिया था। मगर परीक्षा के बाद दूसरे संदेह खड़े हुए।

राशिफल

मेष राशि : आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। अपने माता-पिता से आप अपने मन की बातों को साझा करेंगे। जो लोग घर से दूर रहकर पढ़ाई कर रहे हैं, वो आज अपने परिवार से मिल सकते हैं। परिवार वालों के साथ धार्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे, कुछ समय बिताएंगे जिससे आपके मन को शांति मिलेगी। भाई, बहनों का सहयोग मिलेगा।

वृष राशि : आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है। आज व्यावसायिक काम समय पर बनते जाएंगे। विदेश संबंधी व्यवसाय में परिस्थितियां आपके अनुकूल होने के आसार हैं। आज ऑफिस में सहयोगियों की कार्यकुशलता से टारगेट समय पर पूरा हो जाएगा।

मिथुन राशि : आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जाएगा। आज आप लेखन कार्यों में रुचि लेंगे आपका लेखन और अच्छा होगा। आज आपकी बातें दूसरों पर प्रभाव डालेगी। आज रोजमर्रा के कामों से हटकर कुछ नया सीखने में समय बीतेगा। प्रॉपर्टी या वाहन की खरीददारी में लाभ की बेहतर स्थिति बनेगी।

कर्क राशि : आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। थोड़ी से बात पर परेशान होने के बजाय उसका हल ढूंढने की कोशिश करेंगे तो आपको समाधान मिल जाएगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है।

सिंह राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज व्यवसाय में अतिरिक्त आय का साधन बनने वाला है। अगर आपका साझेदारी में बिजनेस करने का प्लान है तो ये डील आपके लिए फायदेमंद होगी। अधिकतर समय मार्केटिंग और बाहर की गतिविधियों में बीतेगा। इस राशि के सरकारी नौकरी में लोग अपने कार्यभार से संतुष्ट रहेंगे।

कन्या राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज ध्यान रखें कि अगर प्रयासरत कार्यों में समस्या आती है तो इसकी वजह आपकी एकाग्रता में कमी होगी। आज सम्मानित और प्रभावशाली लोगों के संपर्क में आने से आपको कई नए विषयों की जानकारी मिलेगी। आज घर के लिए इलेक्ट्रॉनिक वस्तु की खरीदारी संभव है।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। आज किसी समस्या को हल करने में आपका सहयोग सकारात्मक रहेगा। आस-पड़ोस की सामाजिक गतिविधियों में आपका वर्चस्व रहेगा। प्रॉपर्टी से संबंधित काम हल होगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज कार्यों को सुचारु रूप से करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी होगी। इस समय नया कार्य शुरू न करें, आज के कामों को ही व्यवस्थित करने पर ध्यान देंगे। ऑफिस में आपका प्रभुत्व बना रहेगा। नवविवाहित दंपत्ति के बीच आज मीठी नोकझोक होगी, इससे रिश्तों में और मिठास आएगी।

धनु राशि : आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज जल्दबाजी में फैसला न लें, न ही दूसरों के मामले में हस्तक्षेप करें। संतान की नकारात्मक गतिविधि का पता चलने से आपकी चिंता बढ़ सकती है जिसे आप किसी की सहायता से सुलझा लेंगे। परिस्थितियों को गुस्से में हल न करें, धैर्य रखेंगे तो सब जल्दी ही ठीक हो जाएगा।

मकर राशि : आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। छात्रों को आज बहुत अधिक मेहनत की जरूरत है। आज आप लेनदेन को स्थगित रखेंगे तो आने वाली किसी समस्या से बच जाएंगे। इस राशि के लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जिससे उनके अंदर आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आपकी ऑफिशियल यात्रा संभव है। आपका दोस्त आपको फोन कर आपको सरप्राइज देगा।

कुंभ राशि : आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आपका दिन खुशनुमा बीतेगा। घर पर ही परिवारवालों के साथ धार्मिक कार्यों का आयोजन करेंगे। आज आपकी तरक्की के कई रास्ते खुलेंगे। ऑफिस के काम को थोड़ा संभलकर करने की जरूरत है। सहकर्मी आपके काम की शिकायत कर सकता है। आज किसी से भी उलझने से आपको बचना चाहिए।

मीन राशि : आज आपको किसी अपने से अच्छी खबर मिलने के योग बने हुए है। आज व्यक्तिगत काम के समय आप घबराने की बजाय परिस्थितियों का समाधान ढूंढने का प्रयास करेंगे और इसमें आप सफल भी होंगे। पारिवारिक सदस्य की किसी उपलब्धि से घर में उत्सव का माहौल रहेगा। मार्केटिंग की जॉब कर रहे लोगों से आज अच्छा क्लाइंट जुड़ेगा, जो भविष्य में अच्छा धन लाभ कराएगा।

मिल्कवीडः आत्मनिर्भर भारत का फाइबर

//डीन कामेन//

यह विचारशील उद्धरण सफलताओं के सार को रेखांकित करता हैः जब चुनौतियां नए परिप्रेक्ष्यों से जुड़ती हैं और प्रौद्योगिकी नए समाधानों तक पहुंचने के सेतु का काम करती है। वस्त्र जैसे उद्योगों में, यह तालमेल पारंपरिक तरीकों में बदलाव ला रहा है, स्थिरता को बढ़ावा दे रहा है, और नई संभावनाओं के द्वार खोल रहा है। पर्यावरण के प्रति बढ़ती जागरूकता और सहायक सरकारी नीतियां मिश्रित सामग्रियों में सुदृढीकरण के रूप में बास्ट फाइबर के उपयोग में तेजी ला रही हैं, ताकि बढ़ती आबादी की ज़रूरते पूरी की जा सकें। बास्ट फाइबरों का प्राकृतिक रूप से सड़नशील होना और उनकी प्रचुरता, पर्यावरण के अनुकूल नवाचार की ओर बदलाव को चिह्नित करते हुए उन्हें ऑटोमोटिव उद्योग, संरचनात्मक कंपोजिट, पल्पिंग और टेक्सटाइल में प्रयोग के लिए आदर्श बनाती है।

प्राकृतिक चमत्कार मिल्कवीड फाइबर, भारत के वस्त्र परिदृश्य में क्रांति लाने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान देने को तत्पर है। अपने आशाजनक गुणों, टिकाऊ खेती और किसानों की आजीविका को बढ़ाने की अपार संभावनाओं के साथ, मिल्कवीड बढ़ती आबादी के साथ वैकल्पिक फाइबर की अत्यावश्यक मांग का समाधान है, जो भारत के सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरणीय लक्ष्यों के अनुरूप है।

मिल्कवीड कोई साधारण फाइबर नहीं है। इसके बीज की फली के भीतर लगे रेशमी, खोखले तंतुओं से प्राप्त, यह हल्का फाइबर असाधारण गुणों से युक्त होता है, जो इसे टिकाऊ सामग्रियों की तलाश में अग्रणी बनाता है। इसकी खोखली संरचना इसे उच्च संपीड़न और बेहतरीन थर्मल इन्सुलेशन प्रदान करती है, जिसका थर्मल मूल्य 100 प्रतिशत पॉलिएस्टर नॉनवॉवन (या बिना बुने कपड़े) से लगभग दोगुना है। मिल्कवीड को पॉलिएस्टर, ऊन, विस्कोस या कपास जैसे अन्य फाइबरों के साथ मिश्रित किए जाने पर, यह कपड़े की कोमलता, सांस लेने की क्षमता और गर्माहट को बढ़ाता है, जिससे न केवल आरामदायक बल्कि प्रीमियम गुणवत्ता वाले उत्पाद तैयार होते हैं।

मिल्कवीड की तकनीकी विशेषताओं के अतिरिक्त इसकी खेती भारत के कृषक समुदाय के लिए परिवर्तनकारी अवसर प्रस्तुत करती है। इस बारहमासी फसल को न्यूनतम इनपुट की आवश्यकता होती है। यह नाना प्रकार की मिट्टी की स्थितियों में पनपता है, और बदलती जलवायु के साथ सामंजस्य स्थापित कर लेता है। एक बार लगाए जाने के बाद, यह 10 साल तक उपज देता रहता है, और इसकी पैदावार में सालाना वृद्धि होती है। किसान प्रति एकड़ लगभग 1.5-2 लाख रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त कर सकते हैं, जो कपास जैसी पारंपरिक फसलों से होने वाली आय की तुलना में काफी अधिक है। यह न केवल वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करता है बल्कि संसाधन-गहन फसलों पर निर्भरता को भी कम करता है, जिससे यह एक टिकाऊ और आकर्षक विकल्प बन जाता है।

भारत में भेड़ों की आबादी 7.4 करोड़ से अधिक है और वह सालाना 3.69 करोड़ किलोग्राम कार्पेट-ग्रेड ऊन का उत्पादन करता है, लेकिन परिधान में इस्तेमाल होने वाले मेरिनो जैसे उत्तम ग्रेड के ऊन के लिए वह वित्तीय वर्ष 2023-24 के अनुसार लगभग 1,800 करोड़ रुपये मूल्य जितने आयात पर निर्भर करता है। घरेलू स्तर पर उत्पादित ऊन आम तौर पर बेहतर गुणवत्ता का नहीं होता है, जिससे अक्सर असुविधा होती है और यह त्वचा के अनुकूल नहीं होता है। जबकि पश्मीना ऊन, जिसका माइक्रोन मूल्य 20 से कम है, असाधारण गुणवत्ता का होता है, इसका उत्पादन सीमित है। सरकार की पश्मीना ऊन विकास योजना और एकीकृत ऊन विकास कार्यक्रम जैसी पहलों ने लद्दाख, जम्मू -कश्मीर और राजस्थान जैसे क्षेत्रों में भेड़ पालन, पश्मीना उत्पादन और बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है। यह क्षेत्र 35 लाख लोगों को आजीविका प्रदान करता है और वैश्विक बाजारों में भारत के ऊनी कार्पेट, कपड़ों और परिधानों के निर्यात को बढ़ावा देता है। मिल्कवीड-ऊन मिश्रण एक टिकाऊ समाधान के रूप में उभरा है, जो फाइबर की गुणवत्ता को बढ़ाते हुए आयात पर निर्भरता को कम करता है। उत्तर भारत वस्त्र अनुसंधान संघ (निटरा) द्वारा उद्योग जगत के हितधारकों के सहयोग से हाल ही में की गई प्रगति ने एक अभिनव 80:20 ऊन-मिल्कवीड मिश्रण की औद्योगिक व्यवहार्यता को प्रदर्शित किया है। यह मिश्रण थर्मल इन्सुलेशन, हल्के गुणों और कोमलता में 100 प्रतिशत ऊन से आगे निकल जाता है, जो इसे उच्च-स्तरीय और कार्यात्मक वस्त्रों के लिए प्रीमियम पसंद बनाता है। मिल्कवीड की बहु उपयोगिता कई तरह के अनुप्रयोगों तक फैली हुई है। परिधान, घरेलू वस्त्र और स्वच्छता उत्पादों से लेकर विभिन्न उत्पादों में पारंपरिक फाइबर की जगह लेने की इसकी क्षमता अपार है। लद्दाख की अपनी यात्रा के दौरान, मुझे मिल्कवीड के रेशों से बने उत्पादों की असाधारण गुणवत्ता का प्रत्यक्ष अनुभव करने का अवसर मिला। मैंने इस फाइबर से बनी एक रजाई का परीक्षण किया और इसे बेहद गर्म और आरामदायक पाया ङ्क यहां तक कि मुझे किसी भी हीटिंग उपकरण का उपयोग करने की भी आवश्यकता नहीं पड़ी। मैंने निटरा द्वारा विकसित एक टोपी और जैकेट को भी आज़माया, जिन्होंने पूरी यात्रा के दौरान मुझे बखूबी गर्म रखा। मिल्कवीड उत्पादों के टिकाऊपन और प्रदर्शन का जायजा लेने के लिए इन सर्दियों में मैं स्वयं इन उत्पादों को नियमित रूप से पहन रहा हूं। अपने अनुभव के आधार पर मुझे विश्वास है कि मिल्कवीड फाइबर एक आशाजनक विकल्प है, जो रोजगार सृजन और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। इस पहल के मूल में आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करने - स्वदेशी संसाधनों और नवीन तकनीकों के माध्यम से स्वावलंबी भारत बनाने की प्रतिबद्धता निहित है। मिल्कवीड को वस्त्र मूल्य श्रृंखला में एकीकृत करके, भारत आयातित फाइबर पर अपनी निर्भरता कम कर सकता है और खुद को टिकाऊ वस्त्रों के क्षेत्र में ग्लोबल लीडर के रूप में स्थापित कर सकता है। यह तकनीकी वस्त्रों के साथ एनबीएस (प्रकृति-आधारित समाधान) को बढ़ावा देने और संबद्ध करने के हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिससे आर्थिक विकास और सामाजिक सशक्तीकरण का तरंग प्रभाव या रिपेल इफेक्ट उत्पन्न होता है।

मिल्कवीड के पर्यावरणीय लाभ भी इतने ही आकर्षक हैं। इसकी खेती में कपास की तुलना में कम मात्रा में पानी, उर्वरक और कीटनाशकों की आवश्यकता होती है, जिससे पारंपरिक कृषि से जुड़े पर्यावरणीय तनाव कम होते हैं। इसके अतिरिक्त, पौध-आधारित, प्राकृतिक रूप से सड़नशील फाइबर के रूप में मिल्कवीड स्थिरता और सर्कुलेरिटी के वैश्विक प्रयास के साथ सहजता से जुड़ता है। यह सिंथेटिक फाइबर का एक व्यवहार्य विकल्प प्रदान करता है। मिल्कवीड को अपनाकर भारत जीवाश्म-व्युत्पन्न सामग्रियों पर अपनी निर्भरता कम करने और वस्त्र उद्योग में पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाता है।

इस क्षेत्र के अन्य प्रयासों में हमारा फोकस जूट-बांस, सिसल, फ्लैक्स और रेमी जैसे नए युग के फाइबरों पर है, जो टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प प्रदान करके वस्त्र उद्योग में क्रांति ला रहे हैं। अपनी विशाल जैव विविधता के साथ भारत इस परिवर्तन का नेतृत्व करने के लिए विशिष्ट स्थिति में है। सिसल, अपने जीरोफाइटिक लचीलेपन के साथ, शुष्क परिस्थितियों में पनपता है, वस्त्रों, रस्सियों और कंपोजिट के लिए आदर्श टिकाऊ फाइबर उत्पन्न करता है। रेमी अपनी उच्च उपज और बहु उपयोगिता के लिए जाना जाता है और पर्यावरण के अनुकूल अपने गुणों तथा उच्च तन्यता शक्ति के साथ परिधान में उपयोग किया जाता है। इसी तरह, लिनन के कपड़ों जैसे डैमस्क, लेस और चादरों के लिए फ्लैक्स के सर्वोत्तम ग्रेड का उपयोग किया जाता है। वर्तमान में, फ्लैक्स फाइबर और 100प्रतिशत लिनन फैब्रिक के संबंध में आयात पर बहुत अधिक निर्भरता है, इस पहल से वस्त्र क्षेत्र में अवसरों के नए द्वार खुलेंगे। सुतली और रस्सी के निर्माण के लिए मोटे ग्रेड का उपयोग किया जाता है।

इसके अलावा, जूट-बांस फाइबर सिंथेटिक फाइबर के लिए एक स्थायी विकल्प और लिनन कपड़े के लिए एक और असाधारण विकल्प की पेशकश करते हुए वस्त्र उद्योग के लिए अभूतपूर्व नवाचार और आशाजनक संभावनाएं प्रस्तुत करता है। 1.39 करोड़ हेक्टेयर में फैले और सालाना 1.4 करोड़ टन उपज प्रदान करने वाले बांस जैसे प्राकृतिक फाइबर, टिकाऊ उत्पादन में भारत की क्षमता का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। इन रेशों का उपयोग परिधान से लेकर तकनीकी वस्त्रों, रस्सियों, कंपोजिट और घरेलू साज-सज्जा तक पूरे वस्त्र सेक्टर में किया जा रहा है। इन रेशों को न केवल न्यूनतम संसाधनों की आवश्यकता होती है, अपितु वे विविध प्रकार की जलवायु के अनुकूल भी होते हैं, और किसानों की आय को बढ़ाकर ग्रामीण आजीविका में सहायता करते हैं, लेकिन साथ ही स्थिरता और सर्कुलेरिटी को भी बढ़ावा देते हैं।एक साधारण खरपतवार से लेकर राष्ट्रीय महत्व के रेशे तक मिल्कवीड की यात्रा भारत की आविष्कारशीलता और लचीलेपन का प्रमाण है। शोधकर्ताओं, किसानों और उद्योग के हितधारकों के सम्मिलित प्रयासों से, इस फाइबर में भारत के वस्त्र इतिहास को फिर से परिभाषित करने की क्षमता मौजूद है। यह परंपरा और नवाचार के समन्वय का प्रतीक है, जहां टिकाऊ प्रथाएं अत्याधुनिक तकनीक से मिलकर ऐसे उत्पाद बनाती हैं जो न केवल विश्व स्तरीय हैं बल्कि भारत के लोकाचार में भी गहराई से निहित हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन, नवाचार सूचकांक में, हम आगे बढ़ रहे हैं। हमें भारत को नवाचार के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनाना होगा के अनुरूप, भारत नवाचार का वैश्विक केंद्र बनने को तैयार है। जिस तरह वस्त्र उद्योग बढ़ती आबादी और बदलती जलवायु की चुनौतियों के अनुकूल बन रहा है, मिल्कवीड आर्थिक क्षमता को पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ जोड़ते हुए स्थिरता के प्रतीक के रूप में उभर रहा है। मिल्कवीड को अपनाकर, भारत हरित, अधिक समावेशी भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर रहा है - एक ऐसा भविष्य, जहां आत्मनिर्भर भारत के आदर्श राष्ट्र की प्रगति में अलंकृत रूप से बुने हुए हैं। खेती का विस्तार करने, प्रसंस्करण को बढ़ाने और अनुसंधान एवं विकास में तेजी लाने के समर्पित प्रयासों के साथ भारत एक ऐसी वस्त्र क्रांति का नेतृत्व कर रहा है, जो वैश्विक पर्यावरणीय आवश्यकताओं और बाजार की मांगों, दोनों की पूर्ति करते हुए परंपरा का नवाचार के साथ बेजोड़ तरीके से विलय कर रही है।

पूंजीवादी व्यवस्था और आदर्श समाज की स्थापना

//भारत डोगरा//

इतिहास के पृष्ठों में यह सवाल बार-बार उभरता रहा है कि किसी भी समय का कोई समाज आदर्श के कितना नजदीक या दूर रहा है, पर इसके बावजूद यह आदर्श समाज या देश कैसा होना चाहिए इसके बारे में मतभेद आज तक बने हुए हैं। अनेक बड़े स्वार्थ और ताकतें अपने हितों के अनुसार इस आदर्श समाज की सोच प्रस्तुत करते हैं और फिर अपने संसाधनों के भरपूर उपयोग से इस सोच का ही प्रचार-प्रसार करवाते हैं और अनुचित को उचित, गलत को सही सिद्ध करने का प्रयास करते हैं। इसका एक उदाहरण तो यह सोच है कि किसी एक देश का विश्व पर या बड़े क्षेत्र पर दबदबा या आधिपत्य उस देश का आदर्श है। इस तरह की सोच से किसी का भी भला नहीं होगा और बहुत सी हिंसा नाहक होगी पर शक्तिशाली देशों के असरदार व्यक्ति ऐसी सोच को तरह-तरह की आकषर्क शब्दावली में प्रस्तुत करते हैं तो उनका बहुत महिमा-मंडन किया जाता है क्योंकि शक्तिशाली और संसाधन संपन्नों को ऐसी सोच की जरूरत है।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पूंजीवादी और साम्यवादी देशों में एक होड़ थी कि किस व्यवस्था को विश्व में अधिक लोग अपने आदर्श के रूप में देखें और अपनाएं। दोनों व्यवस्थाओं ने अपना खूब प्रचार किया पर अपनी भीतरी समस्याओं और विसंगतियों को दूर नहीं किया। अतः पूंजीवादी व्यवस्था में शोषण और विषमता, पर्यावरण विनाश और युद्ध को बढ़ाने की प्रवृत्ति बनी रही तो साम्यवादी व्यवस्थाओं में अपने ही लोगों पर अत्याचार हुए और इसका पर्याप्त विरोध भी वहां नहीं किया जा सका।सोवियत संघ के विघटन के बाद चीन ने भी पूंजीवादी देशों से सहयोग का रास्ता ही अपनाया और ऐसा लगा और प्रचारित भी हुआ कि अब तो पूंजीवाद की ही जीत है पर इस तरह की बहुत अनुकूल स्थितियों के बाद सबसे शक्तिशाली देशों ने युद्ध की प्रवृत्ति को छोड़ा नहीं अपितु विनाशकारी युद्धों और हमलों में दुनिया को उलझा दिया। यहां तक कि इस कारण तीसरे महायुद्ध का खतरा भी सामने आ गया। आक्रामकता के साथ पूंजीवाद की स्व-विनाशकारी प्रवृत्तियां भी नजर आई और अनुकूल स्थितियों के रहते हुए भी प्रमुख पूंजीवादी देशों (जैसे अमेरिका और ब्रिटेन) में बड़ी संख्या में लोग बुनियादी जरूरतों को जुटाने तक के लिए संघर्ष करते हुए पाए गए हैं, जबकि आज जर्मनी भी अपनी बिगड़ती आर्थिक स्थिति के बारे में बहुत चिंतित हैं। अतः बहुत अनुकूल स्थितियां मिलने पर भी पूंजीवादी व्यवस्था आदर्श समाज की स्थापना व्यापक और दीर्घ स्तर पर करने में विफल है। कुछ छोटे देशों ने थोड़े समय के लिए बेहतर परिणाम प्राप्त किए हैं, पर ये बहुत टिक नहीं पाए हैं (नाव्रे, स्वीडन आदि देशों के अनुभव) और न ही ये पूंजीवाद की कुछ व्यापक विसंगतियों से बच पाए हैं। दूसरी ओर, पर्यावरण और छोटे किसानों के हितों की रक्षा न कर पाने, लोकतंत्र और लोकतांत्रिक विपक्ष को उचित मान्यता न देने के कारण साम्यवादी व्यवस्थाएं भी अपनी इस मान्यता को तेजी से खो रही हैं जो उन्होंने बहुत से न्यायप्रिय व्यक्तियों के बीच एक समय प्राप्त की थीं। इन निराशाओं के बावजूद मनुष्य की आदर्श व्यवस्था के लिए तलाश जारी रहेगी और अधिक सार्थक परिणाम के लिए उसे पहले की गलतियों से सीखते हुए ही आगे बढ़ना होगा। मौजूदा समय विशेष कठिनाइयों का समय है क्योंकि अनेक पर्यावरणीय समस्याएं एक साथ विकट होती जा रही हैं, युद्ध अधिक खतरनाक होते जा रहे हैं और हथियार अधिक विनाशकारी होते जा रहे हैं। यह समय बहुत सावधानी से सही मार्ग खोजने का है, और उसी राह पर आगे बढ़ने का है।

इस स्थिति में यदि आदर्श समाज को इस तरह परिभाषित कर सकें जो सरल होते हुए भी तर्कसंगत हो और जिसे बहुत से लोग आसानी से समझ कर अपना सकें तो यह बहुत उपयोगी होगा। आदर्श समाज वह समाज है जो न्याय और समता, अमन-शांति और लोकतंत्र, पर्यावरण, सामाजिक संबंधों की प्रगाढ़ता, ईमानदारी, महिला-सम्मान, भेदभाव की समाप्ति और सभी जीवन-रूपों के लिए करुणा पर आधारित है। इन सभी जीवन-मूल्यों को स्थानीय स्थितियों के आधार पर अपनाना चाहिए और इस तरह आदर्श समाज का रूप विश्व में विभिन्न स्थानों पर कुछ अलग जरूर होगा पर फिर भी चूंकि बुनियादी जीवन-मूल्य एक ही हैं, तो इसमें बहुत समानता भी होगी। यह सोच एक स्तर पर सरल और सीधी-सादी है और यह ऐसा गुण है जिसके आधार पर इसे बहुत से लोग आसानी से अपना सकते हैं। पर अपने समाज की विशेष स्थितियों में जब लोग यह तय करने के लिए एकत्र होंगे कि न्याय और समता की राह क्या है, अमन-शांति की राह क्या है, तो इस बारे में बहुत से अलग-अलग विचार सामने आएंगे। इस तरह जो पहली नजर में सीधा-सरल लगता है, उसमें अनेक विवाद भी आ सकते हैं। फिर भी यदि इन जीवन-मूल्यों को सही भावना से अपनाया गया है तो कोई बड़ी कठिनाई नहीं आएगी। विवादों का समाधान हो जाएगा। अमन-शांति और लोकतंत्र की सोच को जिन्होंने भली-भांति अपना लिया है।

तस्वीरों की दुनिया

मकर संक्रांति त्यौहार से पहले गंगासागर द्वीप पर सूर्यास्त का शांत नजारा, दक्षिण 24 परगना में तीर्थयात्री पवित्र अनुष्ठानों के लिए एकत्रित हुए।

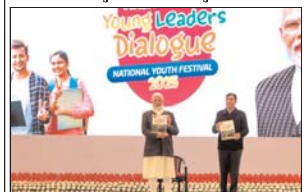

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में भारत मंडपम में विकसित भारत युवा नेता संवाद 2025 में भाग लिया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाई गई स्वामी विवेकानंद की जयंती पर शौर्य स्मारक पर स्वामी विवेकानंद की 18,000 वर्ग फीट की 3डी रंगोली पर पुष्पांजलि अर्पित की।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और राज्य मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में युवा महोत्सव के समापन समारोह में शामिल हुए।

पार्टी कार्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में एआईसीसी महासचिव सचिन पायलट, एआईसीसी दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव और एनएसयूआई अध्यक्ष वरुण चौधरी के साथ।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और भाजपा सांसद कंगना रनौत नागपुर के यशवंत स्टेडियम में खासदार खेल महोत्सव मैराथन (देश का पहला ग्रास-रूट लेवल मल्टी-स्पोर्ट इवेंट) के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शिरडी के साईं बाबा मंदिर में पूजा-अर्चना की।

सीमा पर कांटेदार तारबंदी को लेकर भारत-बांग्लादेश में तनातनी बढ़ी, भारतीय उच्चायुक्त को बुलाकर जताई चिंता

ढाका, 13 जनवरी [एजेंसी]।

प्रधानमंत्री शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद अब सीमा पर बाड़ लगाने को लेकर भारत-बांग्लादेश के बीच तनातनी बढ़ गई है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने रविवार को भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया। बांग्लादेश के विदेश सचिव मोहम्मद जशीम उद्दीन ने विदेश मंत्रालय में भारतीय उच्चायुक्त वर्मा के साथ बैठक के दौरान हाल के सीमा तनाव को लेकर बांग्लादेश की ओर से गहरी चिंता व्यक्त की। यह घटनाक्रम बांग्लादेश द्वारा यह आरोप लगाए जाने के कुछ घंटों बाद सामने आया है कि भारत द्विपक्षीय समझौते का उल्लंघन करते हुए भारत-बांग्लादेश सीमा पर पांच स्थानों पर तारबंदी की कोशिश कर रहा है। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने पहले अपनी खबर में बताया था कि वर्मा को विदेश मंत्रालय ने सीमा पर बढ़ते तनाव पर चर्चा करने के लिए तलब किया था।

विदेश मंत्रालय द्वारा जारी प्रेस वक्तव्य में हालांकि इस शब्द का इस्तेमाल नहीं किया गया। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा- विदेश सचिव राजदूत मोहम्मद जशीम उद्दीन ने आज विदेश मंत्रालय स्थित अपने कार्यालय में भारत के उच्चायुक्त प्रणय वर्मा के समक्ष बांग्लादेश-भारत सीमा पर भारतीय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की हाल की गतिविधियों को लेकर बांग्लादेश सरकार की ओर से गहरी चिंता जताई। बीएसएस की खबर के अनुसार, वर्मा दोपहर लगभग तीन बजे विदेश मंत्रालय पहुंचे। विदेश सचिव के साथ

उनकी मुलाकात लगभग 45 मिनट तक चली। वर्मा ने बैठक के बाद मीडिया से कहा-मैंने विदेश सचिव से मुलाकात कर अपराध मुक्त सीमा सुनिश्चित करने, तस्करी, अपराधियों की आवाजाही और मानव तस्करी की चुनौतियों से प्रभावी तरीके से निपटने संबंधी भारत की प्रतिबद्धता पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के लिए सीमा पर बाड़ लगाने के संबंध में हमारे बीच आपसी सहमति है। इस संबंध में बीएसएफ और बीजीबी (बार्डर गार्ड बांग्लादेश) के बीच बातचीत जारी है। हम उम्मीद करते हैं कि आपसी सहमति को लागू किया जाएगा और अपराध से निपटने के लिए सहयोगपूर्ण दृष्टिकोण अपनाया जाएगा।बयान के अनुसार विदेश सचिव जशीम उद्दीन ने कहा- ऐसी गतिविधियों, विशेषकर कांटेदार तार की बाड़ लगाने के अनधिकृत प्रयास और बीएसएफ द्वारा संबंधित परिचालन कार्रवाइयों के कारण सीमा पर तनाव और अशांति पैदा हुई है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उचित अनुमति के बिना कांटेदार तार की बाड़ का निर्माण दोनों पड़ोसी देशों के बीच सहयोग और मैत्रीपूर्ण संबंधों की भावना को कमतर करता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आगामी बीजीबी-बीएसएफ महानिदेशक स्तर की वार्ता में इस मामले पर विस्तार से चर्चा हो सकेगी। बयान के अनुसार हाल में सुनामगंज में बीएसएफ की कथित कार्रवाई में एक बांग्लादेशी नागरिक के मारे जाने का उल्लेख करते हुए विदेश सचिव ने सीमा पर इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति पर गहरी चिंता और निराशा व्यक्त की।

जशीम उद्दीन ने इन घटनाओं को लेकर कड़ी नाराजगी जताई और भारतीय अधिकारियों से ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील की।उन्होंने भारत सरकार से अनुरोध किया कि वह भारत में सभी संबंधित अधिकारियों को सलाह दें कि वे किसी भी भड़काऊ कार्रवाई से बचें, क्योंकि इससे साझा सीमा पर तनाव बढ़ सकता है। बयान के अनुसार उन्होंने यह भी कहा कि बांग्लादेश का मानना है कि ऐसे मुद्दों को रचनात्मक बातचीत के जरिए, मौजूदा द्विपक्षीय समझौतों के अनुसार और इस तरह से सुलझाया जाना चाहिए जिससे सीमा पर शांति और सौहार्द कायम रहे। इससे पहले दिन में गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) जहांगीर आलम चौधरी ने कहा था कि भारत ने बीजीबी और स्थानीय लोगों के कड़े विरोध के कारण सीमा पर कांटेदार तार की बाड़ लगाने का काम रोक दिया है।

भारत में सर्जरी के बाद हर साल संक्रमण की चपेट में आते हैं 15 लाख मरीज, ICMR की रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे

नईदिल्ली, 13 जनवरी [एजेंसी]।

भारत में सर्जरी के बाद हर साल औसतन लगभग 15 लाख मरीज संक्रमण की चपेट में आते हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की एक हालिया रिपोर्ट में सर्जरी के बाद होने वाले संक्रमण यानी सर्जिकल साइट इंफेक्शन (एसएसआई) को लेकर यह चिंताजनक स्थिति सामने आई है।दरअसल, एसएसआई तब होता है जब सर्जरी के दौरान लगाए गए चीरे में घुस कर बैक्टीरिया उसे संक्रमण कर देते हैं। आईसीएमआर की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में सर्जरी के बाद मरीजों के एसएसआई से संक्रमित होने की दर 5.2 प्रतिशत है जो कई विकसित देशों से अधिक है।रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि हड्डियों, मांसपेशियों से संबंधित सर्जरी या आर्थोपेडिक सर्जरी के मामलों में एसएसआई की दर 54.2 प्रतिशत है, जो बेहद चिंता की बात है। इस समस्या से निपटने के लिए आईसीएमआर ने एसएसआई निगरानी नेटवर्क लॉन्च किया है। इसका उद्देश्य ऐसे संक्रमणों को रोकने के लिए देश भर के डाक्टरों की मदद करना है। आईसीएमआर ने तीन प्रमुख अस्पतालों- एम्स दिल्ली, कस्तूरबा अस्पताल, मणिपाल और टाटा मेमोरियल अस्पताल मुंबई में 3,090 मरीजों की सर्जरी पर यह अध्ययन किया। अध्ययन में पता चला कि ऑर्थोपेडिक सर्जरी कराने वाले मरीजों में एसएसआई होने का खतरा अधिक पाया गया। कुल मरीजों में 161 मरीज (5.2 प्रतिशत) सर्जरी के बाद एसएसआई की चपेट में आए। आमतौर पर 120 मिनट यानी दो घंटे से अधिक समय तक चलने वाली सर्जरी के बाद मरीजों में एसएसआई का जोखिम बढ़ता है।

केजरीवाल ने शकूर बस्ती के बारे में जो बयान दिया वह सरासर झूठ, एलजी ने पूर्व सीएम पर लगाए आरोप

नई दिल्ली। एलजी वीके सक्सेना ने रविवार को आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के शकूरबस्ती रेलवे झुग्गी कैंप का दौरा करने व उनके द्वारा यहां के लैंड यूज चेंज करने वाले बयान को कोरा झूठ करार दिया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए एलजी ने कहा कि केजरीवाल ने शकूर बस्ती के बारे में जो बयान दिया, वह सरासर झूठ है। उन्होंने डीडीए की 27 दिसंबर की बोर्ड बैठक का हवाला देते हुए कहा कि डीडीए ने इस बस्ती का लैंड यूज चेंज कर दिया है। ऐसे में मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि न तो डीडीए ने इस जमीन का कोई लैंड यूज चेंज किया है और न कोई उसने यहां कोई डेमोलेशन या खाली कराने का नोटिस दिया है। इस मुद्दे पर केजरीवाल जान बूझकर कोरा झूठ बोल रहे हैं और लोगों को गुमराह कर रहे हैं। एलजी ने कहा कि 27 दिसंबर की बोर्ड बैठक में रेलवे की जिस जमीन के ट्रांसपोर्टेशन से रेजीडेंशियल में लैंड यूज चेंज करने की चर्चा हुई थी, वह रेलवे की दूसरी खाली जमीन है लेकिन इस मुद्दे पर भी अभी केवल चर्चा ही हुई है, कोई निर्णय नहीं लिया जा सका है।एलजी ने कहा कि साथ ही मैं अरविंद केजरीवाल को यह भी बताना चाहता हूं कि डीडीए की उस बोर्ड बैठक में केजरीवाल के दो विधायक सोमनाथ भारती व दिलीप पांडेय भी मौजूद थे।

माता वैष्णो देवी के श्रद्धालुओं के लिए खुशखबरी, इस दिन से खुलेंगे पवित्र गुफा के कपाट, कब से चली आ रही यह परंपरा

कटरा, 13 जनवरी [एजेंसी]।

मां वैष्णो देवी की पवित्र व प्राचीन स्वर्ण जड़ीत गुफा के कपाट आगामी 14 जनवरी मकर संक्रांति पर विधिवत पूजा अर्चना के उपरांत खुलेंगे। जिसको लेकर मां वैष्णो देवी के भक्त बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पारंपरिक तौर पर पवित्र मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर विधिवत पूजा अर्चना के बाद पुजारियों तथा पंडितों द्वारा मां वैष्णो देवी की स्वर्ण जड़ित पवित्र प्राचीन गुफा के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाते हैं। आगामी 14 जनवरी को पवित्र मकर संक्रांति के अवसर पर मां वैष्णो देवी की दिव्य आरती के उपरांत पुजारियों तथा पंडितों द्वारा विधिवत पूजा अर्चना करने के बाद मां वैष्णो देवी की स्वर्ण जड़ित पवित्र प्राचीन गुफा के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। पूजा अर्चना के बाद सर्वप्रथम पुजारियों के साथ ही पंडित तथा श्राइन बोर्ड सीईओ तथा अधिकारी गुफा में प्रवेश करेंगे। उसके बाद संभवत श्रद्धालुओं को गुफा में प्रवेश करने का मौका मिल सकता है।परंतु यह सब श्रद्धालुओं की संख्या पर निर्भर करता है। अगर पवित्र मकर

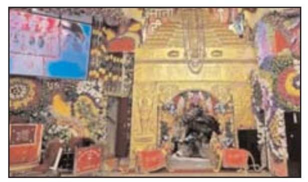

संक्रांति पर श्रद्धालुओं की ज्यादा भीड़ हुई तो श्रद्धालुओं को पवित्र गुफा के भीतर जाने का मौका कम ही मिल सकता है। पवित्र मकर संक्रांति पर स्वर्ण जड़ित पवित्र व प्राचीन गुफा के कपाट खोलने से पहले आयोजित होने वाली पूजा अर्चना के समय श्राइन बोर्ड सीईओ अंशुल गर्ग के साथ ही अन्य अधिकारी, पुजारी तथा पंडित आदि मौजूद रहेंगे। स्वर्ण जड़ित पवित्र प्राचीन गुफा की पूजा अर्चना करेंगे। इस पवित्र गुफा के कपाट खोलेंगे। यह परंपरा प्राचीन समय से चली जा रही है। क्योंकि दशकों पहले जब मां वैष्णो देवी की यात्रा बहुत ही कम हुआ करती थी, यानी की गर्मी के मौसम में ही मां वैष्णो देवी की यात्रा हुआ करती थी और सर्दी का मौसम शुरू होते ही प्राचीन गुफा बंद कर दी जाती थी। पवित्र मकर संक्रांति पर पूजा अर्चना के बाद पवित्र प्राचीन गुफा के कपाट खोल दिए जाते थे जिसको लेकर मां वैष्णो देवी की यात्रा शुरू हो जाती थी। यही परंपरा प्राचीन समय से चली आ रही है। हालांकि, साल दर साल बढ़ रही मां वैष्णो देवी की यात्रा के मध्य नजर पूरे साल भर पवित्र व प्राचीन गुफा के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोलना संभव नहीं है। इसलिए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड द्वारा पुजारियों तथा पंडितों के सानिध्य में पवित्र मकर संक्रांति पर इस पवित्र गुफा के कपाट खोल दिए जाते हैं। श्रद्धालुओं को पूरे सालभर केवल फरवरी माह ही एक ऐसा होता है जिसमें श्रद्धालुओं को गुफा में प्रवेश करने की अनुमति दी जाती है।

चुनाव नियमों में संशोधन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई, जयराम रमेश बोले- खत्म हो रही पारदर्शिता

नईदिल्ली, 13 जनवरी [एजेंसी]।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश की उस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट बुधवार को सुनवाई करेगा जिसमें 1961 के चुनाव नियमों में संशोधन को चुनौती दी गई है। इस संशोधन के जरिये सीसीटीवी फुटेज जैसी चुनाव सामग्री तक सार्वजनिक पहुंच को प्रतिबंधित कर दिया गया है, जब तक कि इसे चुनाव आयोग द्वारा स्पष्ट रूप से सूचीबद्ध न किया गया हो।सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड सूची के अनुसार, प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की पीठ इस मामले पर सुनवाई करेगी। शीर्ष अदालत में 24 दिसंबर को दायर याचिका में कांग्रेस महासचिव रमेश ने दलील दी कि आयोग को 1961 के चुनाव नियमों में इस तरह एकतरफा और बिना सार्वजनिक परामर्श के संशोधन की अनुमति नहीं दी जा सकती। राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश ने कहा कि आयोग की सिफारिशों के बाद 21 दिसंबर को पेश इस संशोधन ने चुनावी प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने वाली आवश्यक जानकारी तक सार्वजनिक पहुंच को खत्म कर दिया है।

नासिक में बड़ा सड़क हादसा, ट्रक से टैंपो की भिड़ंत में 8 लोगों की मौत; धार्मिक कार्यक्रम से लौट रहे थे सभी

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले के द्वारका सर्किल में रविवार को एक टैंपो और ट्रक की टक्कर में आठ लोगों की जान चली गई। इस दुर्घटना में कई लोग घायल भी हुए हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना शाम साढ़े सात बजे अयप्पा मंदिर के निकट हुई। उन्होंने बताया कि टैंपो में 16 यात्री सवार थे। वे एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे। टैंपो चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया और लोहे की छड़ से लदे ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। कुछ घायलों की हालत गंभीर है। उन्होंने बताया कि पुलिस और दमकलकर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत बचाव कार्य शुरू कर दिया।घायलों का जिला अस्पताल और कुछ निजी अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

गांधी पर टिप्पणी करने पर मीनाक्षी सहरावत के खिलाफ मुकदमा दर्ज राष्ट्रपिता की उपाधि पर उठाया था सवाल

उडुपी। कर्नाटक में उडुपी टाउन पुलिस ने सोशल मीडिया पर सांस्कृतिक पहलुओं पर व्याख्यान देने वाली कार्यकर्ता मीनाक्षी सहरावत के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सहरावत ने चार जनवरी को यहां एक कार्यक्रम के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ बयान दिया था और भारत के लिए महात्मा गांधी के योगदान पर सवाल उठाया था।सहरावत पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 353 (2) और 353 (3) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन करने वाले उडुपी आदमरू मठ के प्रशासक गोविंदा नागराज् को भी मामले में नामजद किया गया है।उडुपी टाउन पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर पुनीत कुमार की शिकायत के आधार पर पांच जनवरी को एफआईआर दर्ज की गई थी।

बांग्लादेश की ये महिला 16 साल से क्यों कर रही पश्चाताप, सच्चाई जानकर आप भी हो जाएंगे हैरान

गंगासागर, 13 जनवरी [एजेंसी]।

बांग्लादेश में पिछले कुछ महीनों से अशांति का माहौल है। बांग्लादेश में फैली अशांति के कारण भारत के साथ भी पड़ोसी मुल्क के रिश्तों में कड़वाहट देखने को मिल रही है। इस बीच बंगाल से एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसे जानने के बाद आप हैरान हो सकते हैं।दरअसल, बांग्लादेश की एक महिला डॉक्टर गंगासागर में पिछले 16 साल से पश्चाताप कर रही हैं। वे यहां संन्यासिनी का जीवन जी रही हैं। दिन भर मंदिरों में जाकर पूजा-अर्चना करती हैं। उनके रहने का कोई ठिकाना नहीं है। जहां जगह मिलती है, वहीं सिर छिपा लेती हैं। कभी वह मंदिरों तो कभी श्मशान को अपना ठिकाना बनाती हैं। उनको जो भी मिल जाता है, उसी से गुजारा कर लेती हैं। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि वे फर्राटेदार अंग्रेजी बोलती हैं। इस विदेशी महिला डॉक्टर को देखकर लोगों के मन में कई सवाल आते हैं। इस बीच लापता लोगों का पता लगाने वाले संगठन हैम

रेडियो, वेस्ट बंगाल रेडियो क्लब के सचिव अंबरी नाग विश्वास ने बताया कि हमारे रेडियो आपरेटर को डेढ़ साल पहले गंगासागर के लोगों से उस महिला के बारे में जानकारी मिली थी। उससे बात करने की कोशिश की गई तो उसके बांग्लादेशी होने का आभास मिला। इसके बाद हमने ढाका स्थित अमेचर रेडियो एसोसिएशन आफ बांग्लादेश के सचिव अनूप भौमिक से संपर्क कर उसके बारे में पता लगाने की कोशिश की। उन्होंने आगे बताया कि तीन-चार महीने के प्रयास के बाद पता चला कि उनका नाम अर्चना गोलदार (70) है। वह बांग्लादेश के खुलना इलाके की रहने वाली हैं और पेशे से एक डाक्टर हैं। 16 साल पहले वह अचानक लापता हो गई थीं। उसके पति लंकेश्वर गोलदार से संपर्क करने पर पता चला कि अर्चना अपनी बीमार बेटी का इलाज कर रही थीं। गलत दवा के प्रयोग के कारण उसकी मौत हो गई थी, जिससे वह सदमे में आ गई थी और इसी कारण घर छोड़कर चली गई थीं। तब से वे उसे तलाश रहे थे।

गौरतलब है कि अर्चना बांग्लादेश से गंगासागर कैसे पहुंच गईं, इसका अभी पता नहीं चल पाया है। अर्चना के परिवार की ओर से बांग्लादेश के स्थानीय परिषद से संपर्क कर अर्चना को वापस लाने की कोशिश की जा रही है। इसके अलावा रेडियो की ओर से कोलकाता स्थित बांग्लादेश उप उच्चायुक्त से भी संपर्क साधा गया है। इस बीच परिचय का खुलासा होने के बाद अर्चना ने स्वदेश लौटने से इन्कार कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह अब यहीं अपना शेष जीवन ईश्वर की भक्ति में बिताना चाहती हैं। उन्होंने आगे कहा कि वह उस देश में नहीं लौटना चाहतीं, जहां हिंदुओं पर अत्याचार हो रहे हैं।

हफ्ते में 90 घंटे काम पर छिड़ी बहस, अब पीएम मोदी की खास टीम के सदस्य ने कहा- यह मूर्खता है

नईदिल्ली, 13 जनवरी [एजेंसी]।

काम के अधिक घंटों को लेकर छिड़ी बहस के बीच प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के सदस्य संजीव सान्याल ने रविवार को कारपोरेट लीडर्स की मांग को मूर्खतापूर्ण करार दिया। सान्याल ने एक्स पर पोस्ट में कहा, ऐसा लगता है कि 80 घंटे के कार्य सप्ताह का विचार लोकप्रिय हो गया है।

अमेरिकी निवेश बैंक इसे मानक बनाना चाहते हैं।उन्होंने कहा कि वास्तव में कुछ समय ऐसे होते हैं जब इतने लंबे कार्य घंटों की जरूरत होती है और अच्छा वेतन पाने वाले पेशेवरों को इसके लिए तैयार रहना चाहिए। लेकिन इसे मानक बनाना दर्शाता है कि जैसे यह किसी प्रकार का लक्ष्य है। सान्याल ने कहा कि इसे लागू करने और गुणवत्ता बनाए रखने में नैतिक जोखिम एवं निगरानी की समस्याएं हैं। ऐसी संस्कृति वाले निवेश बैंकों में प्रोफेशनल ऑफिस के समय में अपने व्यक्तिगत काम करने लगते हैं जैसे ऑफिस समय में जिम जाना, लंबे लंच और दोस्तों से मिलना जिसे मीटिंग कहा जाता है। लंदन शहर और वाल स्ट्रीट इसी तरह काम करते हैं। उन्होंने कहा कि केवल बहुत वरिष्ठ प्रबंधक ही 80 घंटे प्रति सप्ताह कार्य कर सकते हैं क्योंकि उनके लिए व्यवस्था ऐसी बनाई जाती है (सिर्फ वेतन ही नहीं, बल्कि सचिव, सहायक आदि)। बाकी लोगों को जीवन जीने की आवश्यकता होती है।

गौरतलब है कि काम और जीवन के संतुलन पर बहस की शुरुआत इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति ने की थी और हाल ही में लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के चेयरमैन एसएन सुब्रह्मण्यम ने इसे बढ़ावा दिया था। मूर्ति 70 घंटे और सुब्रह्मण्यम ने रविवार समेत 90 घंटे प्रति सप्ताह काम करने का सुझाव दिया था। सुब्रह्मण्यम का कहना था, आप अपनी पत्नी को कितनी देर निहार सकते हैं। आप घर पर बैठकर क्या करेंगे। हल्के-फुल्के अंदाज में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला ने रविवार को इस टिप्पणी का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि रविवार को मेरी पत्नी नताशा को मुझे निहारना पसंद है।इससे पहले महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने भी कहा था, मैं इंटरनेट मीडिया पर इसलिए नहीं हूं क्योंकि मैं अकेला हूं। मेरी पत्नी शानदार है और मुझे उसे निहारना पसंद है। मैं यहां इसलिए हूं क्योंकि यह अद्भुत बिजनेस टूल है। आरपीजी ग्रुप के चेयरमैन हर्ष गोयनका का भी कहना था कि कार्य एवं जीवन में संतुलन वैकल्पिक नहीं, आवश्यक है।

भरी सभा में आईएएस सिद्धार्थ पर क्यों बिगड़ गए सीएम नीतीश, बोले- कुछ नहीं जानते हैं आप

मधुबनी, 13 जनवरी [एजेंसी]।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रगति यात्रा के दौरान खुटौना प्रखंड के दुर्गीपट्टी में जीविका दीदियों से संवाद कर रहे थे।इसी दौरान एक जीविका दीदी सीएम को दुपट्टा देने के लिए आवाज लगा रही थी, लेकिन मुख्यमंत्री नहीं सुन रहे थे। वे इधर-उधर नजर घुमाते दिखे, लेकिन जीविका दीदी का भेंट नहीं लिया। बाद में सीएम ने सभी जीविका दीदी से कहा, याद है न मुख्यमंत्री का काम। इस दौरान वह कुछ बोल रहे थे। बीच में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ कुछ बोलने लगे।इस पर मुख्यमंत्री ने उन्हें फटकार लगाने के अंदाज में कहा कि आप मेरी बात नहीं समझ रहे। कुछ नहीं जानते हैं आप। फिर अपर मुख्य सचिव मुस्कुराते हुए चुप हो गए और मुख्यमंत्री कहने लगे कि हमने कैसे जीविका की शुरुआत की।जीविका दीदी को कहा, अब आप लोगों का पहनावा भी ठीक हो गया है। हम जहां भी जाते हैं, एक बार जीविका दीदियों से जरूर मिलते हैं। इस प्रकरण का वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। नीतीश कुमार रविवार की सुबह करीब 10.50 बजे प्रगति यात्रा पर हेलिकॉप्टर से दुर्गीपट्टी पहुंचे। उनके साथ उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और मंत्री विजय कुमार चौधरी भी थे। मुख्यमंत्री ने स्थानीय नेताओं का अभिवादन स्वीकार किया। सर्वप्रथम उन्होंने स्वतंत्रता सेनानी अमर बलिदानी रामफल मंडल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।इसके बाद आगे बढ़े जहां रास्ते में स्टॉल लगाए गए थे। दुर्गीपट्टी एवं आसपास के गांवों के लोग मुख्यमंत्री की एक झलक पाने के लिए काफी उत्सुक थे। जीविका दीदीयों द्वारा लगाए गए स्टॉलों पर रूककर सीएम ने उनसे बातें की और उनके कार्यों को सराहा। सीएम ने कहा कि यह योजना मेरे द्वारा ही तब लाई गई थी, जब हम केंद्र में थे तो हमने ही जीविका बनाया। उसके बाद केंद्र के लोगों ने इसे देखकर आजीविका बनाया।जीविका बनने से जीविका दीदी का रहना, सहना और सम्मान बदल गया। हम जहां कहीं भी जाते हैं वहां जीविका दीदी के स्टॉल पर जरूर जाते हैं। इससे कि उनको क्या नया दे सकें और ये जान पाएं और दीदीयों को रोजगार के साथ सम्मान भी मिले। मनरेगा स्टॉल पर चेक डैम, जल वर्षा संचय और खेल मैदान का निरीक्षण करते हुए स्कूली बच्चों की प्रस्तुति से बेहद प्रसन्न हुए।

मां पार्वती को समर्पित है मध्य प्रदेश का यह मंदिर, इंद्र ने की थी इसकी स्थापना

मां पार्वती को समर्पित एक ऐसा ही मंदिर मध्यप्रदेश के इंदौर में भी है। यहां पर भक्तों द्वारा मांगी गई सभी मनोकामनाएं जरूर पूरी होती हैं। इस मंदिर का नाम पार्वती मंदिर है और यह करीब 500 साल पुराना है।

हिंदू धर्म में मां पार्वती की महिमा का विशेष वर्णन मिलता है। माना जाता है कि मां पार्वती के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति के जीवन में आने वाली सभी परेशानियां दूर होती हैं। व्यक्ति के जीवन में खुशियों और सुख-समृद्धि का आगमन होता है। मां पार्वती की कृपा और आशीर्वाद पाने के लिए कई भक्त मंदिरों में दर्शन के लिए आते हैं। देशभर में मां पार्वती को समर्पित ऐसे कई मंदिर हैं, जो किसी न किसी रहस्य के कारण फेमस हैं।

बता दें कि मां पार्वती को समर्पित एक ऐसा ही मंदिर मध्यप्रदेश के इंदौर में भी है। यहां पर भक्तों द्वारा मांगी गई सभी मनोकामनाएं जरूर पूरी होती हैं। इस मंदिर का नाम पार्वती मंदिर है और यह करीब 500 साल पुराना है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस मंदिर के इतिहास और इससे जुड़े कुछ रोचक तथ्यों के बारे में बताने जा रहे हैं।

मंदिर की मान्यता

यह मंदिर इंदौर से 50 किलोमीटर दूर विंध्याचल पर्वत 3000 फीट ऊंची पहाड़ी पर स्थित है। इसके चारों तरफ घना जंगल है। वहीं मंदिर की मान्यता काफी दूर-दूर तक फैली है। भक्तों को इस मंदिर में मां पार्वती के अलग-अलग रूप में दर्शन करने का सौभाग्य मिलता है। इस मंदिर में मां पार्वती को असुर महिषासुर का वध करते दिखाया गया है। माना जाता है कि जो भी भक्त इस मंदिर में सच्चे मन से जो भी मुराद मांगते हैं, उनकी मनोकामना जरूर पूरी होती है।

बहुत पुराना है इस मंदिर का इतिहास

धार्मिक मान्यता के मुताबिक राजा इंद्र ने इस मूर्ति की स्थापना की थी। यह प्रतिमा अष्टभुजाधारी है और पांच फीट ऊंची है। इस मंदिर का इतिहास करीब 500 साल पुराना है और यह मंदिर जाम खुर्द गांव में है।

मां पार्वती को समर्पित यह मंदिर परिसर एक हेक्टेयर से अधिक फैला हुआ है। बताया जाता है कि मंदिर में स्थापित मां पार्वती की प्रतिमा तीन रूप बदलती है। वहीं नवरात्रि के मौके पर इस मंदिर में खास रौनक देखने को मिलती है, यहां पर भारी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं।

ऐसे पहुचें पार्वती माता मंदिर

अगर आप भी मां पार्वती के इस मंदिर में जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आप इंदौर से बड़गोंदा और मेण के मार्ग से यहां तक बड़ी आसानी से पहुंच सकते हैं।

रात भर पैर रहते हैं ठंडे, तो सोने से पहले इस उपाय को एक बार कर लें, फिर देखें चमत्कार, पांव रहेंगे गर्म

अभी भारत में हांड कापने वाली सर्दी पड़ रही है। इस ठिठुरन वाली सर्दी में हाथ-पैर ठंडे बने ही रहते है। खासतौर पर रात को सोते समय पैर ठंडे बने रहते हैं। अगर आप मोजा भी पहन रहे हैं, तब भी पैर गर्म नहीं होते हैं और रात भर ठंडे रहते हैं। इस कारण से कई बार रात को नींद भी नहीं आती है। नींद खराब होने से पूरा दिन अच्छा नहीं रहता है। इसलिए आप पैरों को गर्म करने के लिए बस साधरण सा नुस्खा आजमा लें। इससे आपके पैर भी गर्म रहेंगे। चलिए आपको नुस्खा बताते हैं।

पैरों में लगाएं तिल का तेल

ठंडे पैरों को गर्म रखने के लिए सोने से पहले आप गर्म तिल तेल से मालिश करनी चाहिए। इससे पैरों का ब्लड सर्कुलेश बढ़ता है और साथ ही पैर भी गर्म रहते है। पैरों को गर्म रखने के लिए तिल का तेल जरुर लगाएं। ये आसानी से हीट प्रोड्यूस करेगा और पैरों को गर्म रखने में मदद करेगा।

तिल के तेल के साथ मिलाएं यूकेलिप्टस ऑयल

रात को सोने से पहले तिल के तेल को हल्का सा गुनगुना कर लें और इसमें कुछ बूंद यूकेलिप्टस ऑयल फिर थोड़ा सा विक्स लेकर हाथों पर मिलाएं और पैरों के तलवों की मालिश करें। इसके बाद मोजे पहन लें। ऐसा करने से पैर आसानी से गर्म बने रहते हैं और नींद भी बढ़िया आती है।

पोंगल पर बनाएं चावल से यह खास डिश, इसे खाकर सब लोग करेंगे तरीफ

पोंगल दक्षिण भारत के प्रमुख त्योहारों में से एक है। इस त्योहार को दक्षित भारत और तमिल में धूमधाम के साथ मनाया जाता है। यह त्योहार मुख्य तौर पर कृषि और फलस कटाई के पर्व के रुप में मनाया जाता है। पोंगल मकर संक्रांति के दिन शुरु होता है और 4 दिन तक चलता है। इस बार 14 जनवरी से लेकर 17 जनवरी तक पोंगल त्योहार को मनाया जाएगा। पोंगल के दौरान हर घरों में विशेष रुप से पकवान बनाए जाते हैं। चलिए चावल से बनने वाला एक पकवान में आपको बताने जा रही है।

इमली के चावल बनाने की सामग्री

चावल - 2 कप
दो चम्मच इमली का पेस्ट
सरसों के दाने - 1 छोटा चम्मच
सूखी लाल मिर्च - 2-3
करी पत्ते - 8-10
मूंगफली - 3 बड़े चम्मच
चना दाल - 1 बड़ा चम्मच
उड़द दाल - 1 बड़ा चम्मच
हल्दी पाउडर - 1/2 छोटा चम्मच
लाल मिर्च पाउडर - 1 छोटा चम्मच हींग - एक चुटकी
तेल - 2 बड़े चम्मच
नमक - स्वादानुसार
गुड़ - 1/2 छोटा चम्मच

इसे बनाने की विधि

इमली के चावल बनाने के लिए आप सबसे पहले चावल को पका लें और ठंडा होने दें। चावल पकाते समय ध्यान रखें कि चावल के दाने खिले हुए होने चाहिए। फिर आप इमली का पेस्ट बनाएं।

पेस्ट बनाने के लिए एक पैन लें उसमें 2 बड़े चम्मच तेल गर्म करें। इस पैन में सरसों के दाने डालें और चटकने दें। इसके बाद करी पत्ता, सूखी लाल मिर्च, मूंगफली, चना दाल और उड़द दाल डाल दें।

अब इसे आप धीमी आंच पर तब तक भूनें, जब तक मूंगफली और दाल ढंग से पक जाए। फिर इसमें हल्दी, लाल मिर्च पाउडर और हींग डाल दीजिए। अब आप इसनें इमली का पेस्ट डाल दीजिए, फिर इसे अच्छे से मिलाएं।

स्वाद को संतुलित करने के लिए आप गुड़ और थोड़ा पानी डालें। मसाला गाढ़ा और तेल छोड़ने लगे तब तक पकाएं। यह आपका मसाला काफी तैयार है।

तैयार हुए मसाले में आप ठंडे चावल मिला लीजिए। चावलों और मसाले को अच्छे से मिला लें। अब आखिर में इसमें जरुरत के अनुसार नमक डालें। फिर आप इन चावल को धनिया पत्तों से सजाएं। इसके साथ आप पापड़, दही या अचार के साथ सर्व करें।

छेर छेरा ! कोठी के धान ला हेर हेरा

'छेर छेरा ! कोठी के धान ला हेर हेरा !' यही आवाज़ आज प्रदेश के ग्रामीण अंचल में गूंजी और दान के रूप में धान और नगद राशि बांटी गई।

त्योहार को छत्तीसगढ़ी में तिहार कहा जाता है। छेरछेरा छत्तीसगढ़ का एक प्रमुख त्योहार है। नई फसल के घर आने की खुशी में अन्नदान और फसल उत्सव के रूप में पौष मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है।

इस दिन युवक घर-घर जाकर डंडा नृत्य करते हैं और अन्न का दान माँगते हैं। धान मिंसाई हो जाने के चलते गाँव में घर-घर धान का भंडार होता है, जिसके चलते लोग छेर छेरा माँगने वालों को दान करते हैं।

कब हुई शुरुवात

पांडुलिपियों के अनुसार, कलचुरी राजवंश के नरेश कल्याणसाय व मण्डल के राजा के बीच विवाद हुआ, और इसके पश्चात तत्कालीन मुगल शासक अकबर ने उन्हें दिल्ली बुलावा लिया। कल्याणसाय 8 वर्षो तक दिल्ली में रहे।

8 वर्ष बाद कल्याणसाय राजधानी रतनपुर वापस पंहुचे। जब प्रजा को राजा के लौटने की खबर मिली, प्रजा पूरे जश्न के साथ राजा के स्वगात में राजधानी रतनपुर आ पहुँची। प्रजा के इस प्रेम को देख कर रानी फुलकेना द्वारा रत्न और स्वर्ण मुद्राओ की बारिश करवाई गई और रानी ने प्रजा को हर वर्ष उस तिथि पर आने का न्योता दिया। तभी से राजा के उस आगमन को यादगार बनाने के लिए छेरछेरा पर्व की शुरुवात की गई। राजा जब घर आये तब समय ऐसा था, जब किसान की फसल भी खलिहानों से घर को आई, और इस तरह जश्न में हमारे खेत और खलिहान भी जुड़ गए।

सबसे बड़ा लोक पर्व छेरछेरा पुन्नी सोमवार को राजधानी समेत पूरे प्रदेश में महादान के रूप में मनेगा। जितना हो सके, जो भी हो सके, एक दूसरे की मदद, सहयोग करने का संदेश यह पर्व देता है। कोरोनाकाल जैसे संकट के दौर में तो ये पर्व और अधिक प्रासंगिक हुआ है। जब अधिक से अधिक जरूरतमंदों की मदद में हाथ आगे बढ़ सके। छत्तीसगढ़ की लोक परंपरा के इस पर्व पर द्वार-द्वार छेरी के छेरा छेरछेरा, माई कोठी के धान ल हेरहेरा की आवाज अपनी परंपरा और संस्कृति का आभास कराएगी। क्योंकि इसी बलबूते पर गांधी मैदान में सबसे पुराना कांग्रेस कमेटी का भवन इसी परंपरा से बना था।

पौष माह के पूर्णिमा तिथि पर यह पर्व धूमधाम के साथ मनाया जाता है। मान्यता यही कि किसान परिवारों की कोठी धान से छलकती है, उसी में से कुछ दान करने का पर्व है पुन्नी छेरछेरा। जो कि पूरे छत्तीसगढ़ में मनाए जाने वाला दान का महापर्व, जब यहां हर छोटा-बड़ा, अमीर-गरीब के भेद को करने का संदेश देता है।

विशेषता यह कि शरीफ की फसल घर में आ जाने के बाद मनाया जाता है। इस दिन गांव हो या शहर बुजुर्ग, युवा, बच्चे छेरछेरा का उत्सव मनाते हैं। नाचते-गाते टोलियां बाजारों कॉलोनियों और मोहल्लों में पहुंचती हैं। छेरछेरा उत्सव में छत्तीसगढ़ी पकवान चीला, ठेठरी, खुरमी जैसे पकवान बनाकर अपने ईष्टदेवता, ग्रामदेवता और धरती माता की पूजा कर सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। ताकि जीवन में खुशहाल बनी रहे। जिस शकंभरी पूजा भी कहा जाता है।

यह है छेरछेरा की पौराणिक मान्यता

भगवान शिव भिक्षा मांगने पार्वती के घर गए थे। वह तिथि थी मौष महीने की पूर्णिमा। इसी मान्यता से छेरछेरा पर्व मनाया जाता है। जनमानस में प्रचलित कथा के अनुसार पार्वती से विवाह पूर्व भोलेनाथ ने कई किस्म की परीक्षाएं ली थी। उनमें एक परीक्षा यह भी थी कि वे नट बनकर नाचते-गाते पार्वती के घर भिक्षा मांगने पहुंचे और स्वयं ही अपनी निंदा करने लगे थे, ताकि पार्वती उनसे विवाह करने के लिए इंकार कर दें। परंतु ऐसा दृढ़ संकल्प की माता पार्वती नहीं डिगीं। वही छेरछेरा के रूप में मनाने की परंपरा है।

पौराणिक मान्यता

पौराणिक मान्यता के अनुसार आज ही के दिन भगवान शंकर ने माता अन्नपूर्णा से भिक्षा मांगी थी, आज ही मां शाकम्भरी जयंती है। मां दुर्गा ने पृथ्वी पर अकाल और गंभीर खाद्य संकट से निजात दिलाने के लिए शाकम्भरी का अवतार लिया था. इसलिए इन्हें सब्जियों और फलों की देवी के रूप में भी पूजा जाता है।

रात भर शहद डुबाकर रख दें ये 2 ड्राई फ्रूट, फिर देखें चमत्कार, शरीर रहेगा ताकतवर

आज के समय में लोगों की बॉडी में पहले जैसी ताकत रही ही नही है। फस्ट फूड के सेवन करने से शरीर भी इंसान का धीरे-धीरे कमजोर होता है जा रहा है। शरीर में ताकत और स्टेमिना की कमी पर्याप्त पोषण न मिलने के कारण होती है। अगर आप भी चाहते हैं कि आपकी बॉडी फिट और मजबूत रहे, तो आप रात भर शहद में ये 2 ड्राई फ्रूट को डुबोकर रख दें फिर अगले दिन इसके सेवन से गजब के फायदे मिलते हैं। खराब जीवनशैली और गलत खानपान के कारण आजकल के लोगों का शरीर खोखला होता जा रहा है। अत्याधिक जंक फूड के सेवन करना या फिर एक्सरसाइज न करने से मनुष्य का शरीर कमजोर होता जा रहा है। कई बार पोषण की कमी से शरीर कुपोषित हो जाता है। इसलिए पर्याप्त न्यूट्रिशन लेने के लिए रात भर शहद में ये 2 ड्राई फ्रूट को डुबोकर रख दें फिर अगले दिन इसके सेवन से गजब के फायदे मिलते हैं। चलिए आपको इसके फायदे बताते हैं।

खाने के बाद से ही दिखेगा असर-आजकल ज्यादातर लोगों में कमजोरी, स्टेमिना में कमी, थकान रहती हैं उन लोगों को काजू-बादाम शहद में भिगोकर खाना चाहिए। एक्सपर्ट के मुताबिक, यह एक शक्तिशाली उपाय है, जिस दिन से यह आप खाना शुरु करेंगे, उसी दिन से असर दिखेगा।

पूरे दिन ताकतवर रहेंगे-शहद में डुबे हुए ड्राई फ्रूट्स खाने से मसल्स को ताकत मिलती है। बादाम के हेल्दी फैट, काजू का नेचुरल शुगर और शहद के गुण मिलाकर इसका लेवल बढ़ाते हैं। इसे खाने के बाद स्टेमिना के लेवल अच्छे से बढ़ता है।

लो ब्लड शुगर में रामबाण-जिन लोगों का ब्लड शुगर लेवल कम रहता है तो ठीक नहीं माना जाता है। ऐसे लोगों को मीठा खाने की सलाह दी जाती है। शहद में भीगे हुए बादाम-काजू खाने से नेचुरल शुगर मिलती है। जिससे ब्लड शुगर कंट्रोल रहता है।

विटामिन-मिनरल्स का भंडार-आमतौर पर ड्राई फ्रूट्स में प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम, विटामिन बी, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, पोटैशियम, ओमेगा 3 मिलता है। शहद के अंदर भी ऐसे शक्तिशाली तत्वों पाए जाते हैं। हाई ब्लड प्रेशर को कम करता है।

शहद में कैसे भिगोएं बादाम-काजू?-इसके लिए रात को 3 बादाम की गिरी और 3 काजू को 1 चम्मच शहद में रातभर के लिए अच्छे डुबों दें और सुबह खाली पेट खाएं। वहीं, जिन लोगों को ड्राई फ्रूट से एलर्जी या डायबिटीज हो, वो इसका प्रयोग न करें।

माता लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए सभी 12 राशियां करें ये उपाय

सनातन धर्म में पूर्णिमा का विशेष महत्व माना जाता है। इस दिन माता लक्ष्मी और चंद्रमा की विधिवत रुप से पूजा की जाती है। इसके अलावा पूर्णिमा के दिन पवित्र नदी में स्नान करना काफी शुभ माना जाता है। पौष पूर्णिमा माता लक्ष्मी को समर्पित है। धार्मिक शास्त्रों के अनुसार, मां लक्ष्मी को धन देवी के नाम से जाना जाता है। जिस व्यक्ति पर माता लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है, उसके जीवन में सुख-समृद्धि और खुशियां बनी रहती हैं।

शब्द सामर्थ्य -294

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

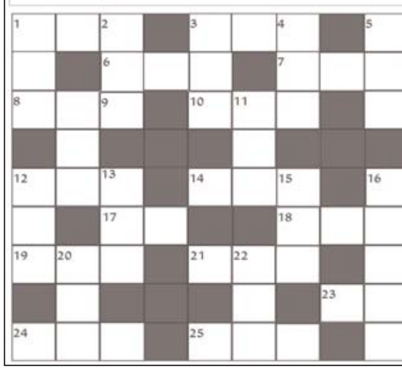

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 293 का हल

अं	त		म	री	ज			
ग	ह	न	ता		ब	र	ब	स
	की		धि	क्का	र		र	मा
	का		का		द	वा	खा	ना
प	त	वा	र		स्त	र		
ह						दा	मि	नी
ना		ए	ह	ति	या	त		लां
वा	च	क		हा			खू	ब
		ता	ब	ड़	तो	ड़		र

रश्मिका मंदाना ने मेकर्स से मांगी माफी, पोस्ट शेयर कर दिखाई पैर की चोट

पुष्पा 2 फेम एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना की अपकमिंग फिल्म को लेकर उनके फैंस भी काफी बेसब्री से इंतजार कर रहे है। लेकिन इस बीच एक्ट्रेस जिम में चोटिल हो गई है। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर करके दी है।

नेशनल क्रश के नाम से मशूहर हो चुकी एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना इन दिनों काफी चर्चाओं में हाल ही में अभिनेत्री की पुष्पा 2 मूवी ब्लॉकबस्टर हिट हुई है। एक्ट्रेस के करियर के ग्राफ की बात करें तो तेजी से ऊपर आ गया है। एक्ट्रेस ने एनिमल और गुडबाय जैसी फिल्मों में जबरदस्त परफॉर्मेंस दी है। इस बीच फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे है कि रश्मिका की अपकमिंग फिल्मों को लेकर, एक्ट्रेस की सिंकंदर और थामा जैसी मोस्ट अवेटेड फिल्में लगातार डिले हो रही है। इसके पीछे की वजह है अभिनेत्री के पैर में चोट लग गई है, जिसके चलते रश्मिका शूटिंग नहीं कर पा रही हैं। रश्मिका ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके मेकर्स से माफी मांगी है।

रश्मिका के पैर पर प्लास्टर लगा हुआ है-शिमका मंदाना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी कई तस्वीरे पोस्ट की है, जिसमें उनके पांव पर प्लास्टर चढ़ा हुआ नजर आ रहा है। इस पोस्ट पर रश्मिका ने कैप्शन में लिखा है, मुझे नया साल मुबारक हो गया। मैंने जिम को खुद को घायल कर लिया। अब मैं अगले कुछ हफ्तों या महीनों के लिए हॉप मोड में हूं या भगवान ही जाने। ऐसा लगता है कि मैं थामा, सिकंदर और कुबेरा के सेट पर पर एक पैर से कूद-कूदकर जाऊंगी। मेरे डायरेक्टर्स को देरी के लिए माफी।

एकजुट होकर त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव में जीत दर्ज करेंगे-जिलाध्यक्ष

रणनीतिक स्तर पर विचार मंथन किया गया संगठन की बैठक में

कोरिया बैकुण्ठपुर। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में त्रि-स्तरीय पंचायत एवं नगरीय निकाय चुनाव को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी के अध्यक्षता में अहम बैठक जिला कार्यालय मे आयोजित की गई।

सर्वप्रथम डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, भारत माता, पंडित दीनदयाल मुखर्जी छायाचित्र पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्ज्वलित कर बैठक शुभारम्भ किया गया। बैठक में त्रि-स्तरीय पंचाय एवं नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। नवनियुक्त भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि, आगामी त्रि-स्तरीय पंचायत एवं नगरीय निकाय चुनाव को हम सभी पर्व के रूप मे मनायेंगे। उन्होंने कहा कि, त्रि-स्तरीय पंचायत एवं नगरीय निकाय चुनाव कार्यकर्ताओं का चुनाव है और इस चुनाव में हमारे पार्टी के कार्यकर्ता अधिक से अधिक संख्या में चुनाव जीतकर आये, इसके लिए पार्टी के कार्यकर्ताओं को पूरे उत्साह के साथ मंडल एवं बूथ स्तर पर कार्य करना है। उन्होंने कहा कि, आगामी त्रि-स्तरीय पंचायत एवं नगरीय निकाय चुनाव के लिए मंडल एवं जिला स्तर पर प्रत्याशी चयन समिति बनाया जाएगा। पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल ने कहा कि, जिला एवं मंडल स्तर पर डॉ.भीम राव अम्बेडकर जी सविधान गौरव दिवस के मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि, संविधान गौरव अभियान 11 जनवरी से 25 जनवरी तक चलेगा, जिसमें बाबा साहब डॉ. भीम राव अंबेडकर की विरासत का सम्मान करने की प्रतिबद्धता को प्रचारित किया जाएगा। भूतपूर्व जिलाध्यक्ष जवाहरलाल गुप्ता ने कहा कि, कार्यकर्ता अपने बूथ को संगठनात्मक रूप से मजबूत बनाये, ताकि आगामी चुनाव में पार्टी की जीत हो सकें। त्रि-स्तरीय चुनाव प्रभारी लक्ष्मण राजवाड़े ने कहा कि, पंचायत चुनाव में कार्यकर्ताओं को नेतृत्वकर्ता बनाने का चुनाव है इसके लिए हम सब बूथ स्तर पर मजबूती से तैयार रहें। चुनाव जीतने के लिए रणनीति तैयार कर पार्टी समर्थित उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करने का आह्वान किया । जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे ने कहा कि, त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव कार्यकर्ताओं के दम पर स्थानीय स्तर पर अधिक से अधिक लोग चुनाव जीतकर आए, इसके लिए में पूरी तरह से तैयार रहना है। बैठक में मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल, जवाहरलाल गुप्ता, जिला उपाध्याक्ष शैलेष शिवहरे, लक्ष्मण राजवाड़े, रविशंकर शर्मा, कमलेश यादव, नवरत्न पाण्डेय, जिला महामंत्री पंकज गुप्ता, विनोद साहू, कोषाध्यक्ष अशोक जायसवाल, नपाध्यक्ष नविता शिवहरे, नपा उपाध्याय राजेश साहू, जनपद अध्यक्ष सौभाग्यवती सिंह, जिला पंचायत सदस्य सुनीता कुर्रे, वंदना राजवाड़े, चुन्नी पैकरा, बसंत राय, भानू पाल, सुभाष साहू, मंडल अध्यक्ष अनिल खटिक, रामलखन यादव, राजाराम राजवाड़े, किशोर सिरदार, दीपा विश्वकर्मा, मनैजर राजवाड़े, संजय चिकनजुरी, कपिल जायसवाल, विपिन बिहारी जायसवाल, अनिल साहू, सुदीप सोनी, हर्षल गुप्ता, शारदा गुप्ता, जगदीश साहू,रामप्रताप मराबी, रामचन्द्र राजवाड़े,विष्णु साहू, शंकर सोनी, गोपाल राजवाड़े, प्रताप सिंह, तरूण पैकरा, संगीता गुप्ता, सोनिया राजवाड़े, जगनारायण साहू, दिनेश साहू, सुरेश तिवारी, मनोज साहू सहित पार्टी कार्यकर्तागण उपस्थित रहें।

नगर पालिका परिषद के विभिन्न निर्माण कार्यों का कार्य आदेश जारी कर भूमि पूजन किया गया

कोरिया बैकुंठपुर। नगर पालिका परिषद बैकुंठपुर में विभिन्न निर्माण कार्यों की कार्यआदेश जारी करते हुए निर्माण कार्यों को विधिवत रूप से शुरू किया गया इन निर्माण कार्यों की जानकारी देते हुए नगर पालिका परिषद बैकुंठपुर के मुख्य नगर पालिका अधिकारी संजय दुबे ने बताया कि निर्माण कार्यों के साथ किसी भी प्रकार की गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाएगा तथा जल्द से जल्द निर्माण कार्य को पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। संजय दुबे द्वारा यह जानकारी दी गयी है की नगर पालिका परिषद बैकुंठपुर के विभिन्न निर्माण कार्यों का कार्यादेश जारी किया गया है जिसमे वार्ड नम्बर 4 सामुदायिक भवन, राम मंदिर घाट निर्माण, वार्ड नम्बर 12 नाली निर्माण एवं वार्डो मे सी सी रोड व नाली निर्माण तथा विभिन्न वार्डो मे रोड लाईट स्थापना कार्य का कार्यादेश जारी किया गया है द्य ठेकेदारों क़ो जल्द से जल्द कार्य पूरा करने का निर्देश भी दिया गया है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा ये भी बताया गया है की मेरे द्वारा निकाय क्षेत्र में सफाई सफाई वा निर्माण कार्यों का प्रतिदिन निरिक्षण भी किया जाता है। विभिन्न निर्माण कार्यों का अध्यक्ष नविता शिवहरे उपाध्यक्ष आशीष यादव एवं पार्षद गण, .उप अभियंता तथा नागरिको के उपस्थिति मे भूमिपूजन कराकर कार्य प्रारंभ भी कर दिया गया है। जिन वार्डो मे कार्य प्रारम्भ हो गया है। निश्चित तौर पर नगर पालिका परिषद के द्वारा कराए गए विकास कार्यों को लेकर नगरी क्षेत्र में आम लोगों के बीच खुशी का माहौल है।

मैनपाट में पर्यटन को लगेंगे पंख, शिमला मनाली की तर्ज पर बनेगी मॉल रोड

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ का प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मैनपाट अपने प्राकृतिक सौंदर्य के चलते सैलानियों की पहली पसंद बनता जा रहा है। यहां की प्राकृतिक खूबसूरती को देखने नववर्ष और उसके बाद मैनपाट के हर कोने में बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं। सरगुजा संभाग के अलावा ओडिशा, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश से भी लोग मैनपाट की खूबसूरती देखने पहुंचे। प्रकृति की गोद में रचे-बसे इस हिल स्टेशन में वर्षभर मौसम खुशनुमा रहता है। मगर, बारिश और ठंड के मौसम में यह छुट्टियां मनाने के लिए सबसे उपयुक्त स्थल है। अब मैनपाट में पर्यटन को और बढ़ावा देने शिमला-मनाली की तर्ज पर मॉल रोड बनाने की योजना पर काम शुरू हो गया है। इसके लिए स्थल निरीक्षण कर शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। सरगुजा जिले के मैनपाट में पहाड़ियां, नदी-झरने, चारों ओर फैली हरियाली को लेकर सैलानियों में खास आकर्षण बना रहता है। पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शासन द्वारा नए प्रयास किए जा रहे हैं। सैलानियों के ठहरने की सुविधा के लिए छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा रिजॉर्ट शैला और करमा का निर्माण किया गया है। इससे आसानी से लोगों को रहने की सुविधा मिल सके।

एनएसएस की विद्यालयीन इकाई ने विभिन्न गतिविधियों पर काम किया

कोरिया बैकुंठपुर। गत दिवस शा.आ.क.उ.मा. वि. बैकुंठपुर के प्राचार्य अमृतलाल गुप्ता के मार्गदर्शन व निर्देशन में रा से यो के कार्यक्रम अधिकारी सुश्री शाहिस्ता अंजुम अली के द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस का कार्यक्रम विद्यालय के आडिटोरियम में स्वयंसेवी छात्राओं एवम युवा संसद की टीम की उपस्थिति में आयोजित किया गया। प्राचार्य अमृतलाल गुप्ता एवम शा.उ.मा.वि. नगर के वरिष्ठ व्याख्याता जितेन्द्र मिश्रा के द्वारा विद्या की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती व युवाओं के प्रेरणास्त्रोत स्वामी विवेकानंद के छाया चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मंचासीन अतिथियों के स्वागत पश्चात विवेकानंद जी के द्वारा लक्ष्य प्राप्ति हेतु दिये गए मूलमंत्र संबंधी लक्ष्य गीत स्वयंसेवी छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया। युवाओं के भविष्य निर्माण में स्वामी विवेकानंद जी के जीवनी के प्रेरक प्रसंग द्वारा सम्बंधित छात्राओं के मध्य भाषण, निबंध, पोस्टर, स्वच्छता एवं जागरूकता संबंधी प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। साथ ही युवा संसद प्रभारी जिज्ञासा दुबे द्वारा विद्यालय की चयनित छात्राओं के माध्यम से युवा संसद के कार्यक्रम की पक्ष विपक्ष की तीखी नोकझोंक के साथ प्रस्तुति दी गई। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य अमृतलाल गुप्ता ने विवेकानंद की जीवनी को उधृत करते कहा कि युवाओं में अपार शक्ति होती है और यदि उनके शक्ति का उपयोग सकारात्मक दिशा में किया जाय तो न केवल वे स्वयं अपने जीवन को सफल बनाते हैं बल्कि देश और समाज मे भी सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। अत:युवाओं को अपनी दिनचर्या में नियमित व्यायाम, योग, प्रार्थना, ध्यान और साधना को शामिल अनिवार्य रूप से करने चाहिए। व्याख्याता जितेन्द्र मिश्रा ने युवाओं के लिए स्वामी के मूलमंत्र उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत उठो,जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाय इसे हर युवाओं को अपना मूलमंत्र बनाना चाहिए। कार्यक्रम में युवा संसद के सहायक प्रभारी अनुराधा सोनपाकर एवं स्वीटी मिश्रा ,आर एल गौतम, संजय यादव, विवेक कुमार पांडेय सहित सैकड़ों स्वयंसेवी व युवा संसद की छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी शाहिस्ता अंजुम अली व आभार प्रदर्शन आर एल गौतम के द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर जिले में वाहन चालकों को किया गया जागरूक

चिरमिरी। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 के अंतर्गत जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के कोतवाली मनेंद्रगढ़ में 11 जनवरी 2025 को एक विशेष बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का आयोजन पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन सिंह के निर्देशन में किया गया, जिसमें पुलिस अनुविभागीय अधिकारी अलेक्सियुस टोप्पो, उप पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय), श्रीमती तरसीला टोप्पो और कोतवाली प्रभारी उप निरीक्षक सुनील तिवारी ने भाग लिया। बैठक में लगभग 70 से 80 टैक्सी, ऑटो और बस चालक उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान सड़क सुरक्षा से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। वाहन चालकों को मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए वाहन न चलाने, गति सीमा का पालन करने और सीट बेल्ट व हेलमेट का उपयोग अनिवार्य रूप से करने के लिए कहा गया। उन्हें ओवरस्पीडिंग और मादक पदार्थों का सेवन कर वाहन न चलाने की सख्त हिदायत दी गई। मालवाहक वाहनों में सवारियों के परिवहन और सवारी वाहनों में क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाने से बचने के निर्देश भी दिए गए।

सड़क सुरक्षा नियमों और संकेतों का पालन करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। चालकों को यह बताया गया कि सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों की सहायता करने वाले गुड सेमेरिटन को पुलिस, अस्पताल और अदालत की प्रक्रियाओं से सुरक्षित रखा जाएगा। बैठक में दुर्घटनाओं में सिर की चोटों को मृत्यु का प्रमुख कारण बताते हुए हेलमेट के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। सभी वाहन चालकों को रॉन्ग साइड में वाहन न चलाने, अपने वाहनों में सुरक्षा रिफ्लेक्टर और नंबर प्लेट लगाने के निर्देश दिए गए। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा नागरिकों को सड़क सुरक्षा और यातायात अनुशासन के प्रति जागरूक करने के प्रयासों का उल्लेख भी किया गया।

युवा महोत्सव में युवा कलाकारों ने बिखेरी छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक छटा

रायपुर। राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में चल रहे छत्तीसगढ़ राज्य युवा महोत्सव के प्रथम दिन अयोध्या में राम मंदिर निर्माण की संघर्ष गाथा पर आधारित नाटक 'मैं अयोध्या हूं' का मंचन किया गया। इस जीवंत प्रस्तुति ने सबका मन मोह लिया। इसके साथ ही आकर्षक लेजर शो के माध्यम से पिछले एक दशक में भारत की विकास यात्रा की झांकी प्रस्तुत की गई।

छत्तीसगढ़ राज्य युवा महोत्सव 2024-25 के प्रथम दिन आयोजित संगीतमय नाट्य प्रस्तुति 'मैं अयोध्या हूं' ने दर्शकों को अयोध्या नगरी की ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक महिमा से अवगत कराया। भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या में भव्य मंदिर के निर्माण और रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा तक की गौरवशाली गाथा को इस कार्यक्रम में जीवंत किया गया। मुंबई से आए प्रसिद्ध कलाकार प्रदीप गुप्ता और उनकी टीम ने नाट्य मंचन प्रस्तुत किया। इस भव्य प्रस्तुति में इसे सतयुग से लेकर कलयुग तक की यात्रा के रूप में प्रस्तुत किया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह सहित उपस्थित अतिथियों ने कार्यक्रम का आनंद लिया। संगीतमय संवाद, मनमोहक नृत्य और उत्कृष्ट अभिनय ने दर्शकों को अभिभूत कर दिया। छत्तीसगढ़ राज्य युवा महोत्सव में छत्तीसगढ़ी संस्कृति की छटा भी युवाओं ने बिखेरी। सुप्रसिद्ध लोकगायिका सुश्री आरु साहू ने सुमधुर छत्तीसगढ़ी लोक गीतों की प्रस्तुति दी। इसके अलावा कार्यक्रम में गौरा-गौरी, राउत नाचा, पंथी गीत नृत्य की रंगारंग प्रस्तुति दी गई। युवा कलाकारों ने छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध संत बाबा गुरू घासी दास के संदेशों पर आधारित पंथी नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी। दर्शकों ने आरू साहू के द्वारा प्रस्तुत ददरिया को सराहा। युवा महोत्सव में युवाओं के लिए कहानी लेखन, चित्रकला, तात्कालिक भाषण, कविता पाठ के आयोजन के साथ ही विज्ञान मेला का भी आयोजन किया गया।

युवा महोत्सव में छत्तीसगढ़ सरकार की उपलब्धियों पर आधारित विकास प्रदर्शनी के साथ ही युवाओं के लिए क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जा रहा है। इसके अलावा हस्तशिल्प, टैक्सटाइल और कृषि उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक दशक में किए गए विकास कार्यों और लोक कल्याणकारी योजनाओं तथा कार्यक्रमों एवं छत्तीसगढ में मुख्यमंत्री विष्णु देव के सुशासन के एक वर्ष में जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को लेज़र शो के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। तीन दिन तक चलने वाले छत्तीसगढ़ युवा महोत्सव में कल दूसरे दिन 13 जनवरी को 'सुपर 30 फेम' आनंद कुमार के साथ युवाओं का संवाद होगा। साथ ही 'ऐसा जादू है मेरे बस्तर में' फेम दायरा बैंड की प्रस्तुति होगी।

विवेकानंद आश्रम में पढ़ने वाले युवा उर्जा साहस और आत्मविश्वास के साथ समाज के विकास में योगदान दें:उप मुख्यमंत्री

नारायणपुर। राज्य के उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, विधि और विधायी कार्य एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव और संसदीय कार्य, वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप रामकृष्ण मिशन आश्रम में आयोजित राष्ट्रीय युवा दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव मदद कर रही है। युवाओं को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए जिले के अंदरूणी क्षेत्रों में स्वामी विवेकानंद रामकृष्ण मिशन आश्रम संचालित की जा रही है, जिसमें नारायणपुर जिले के युवाओं को शिक्षा के साथ साथ सांस्कृति, सामाजिक उत्थान के लिए कार्य किये जा रहे है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 में हुआ था। स्वामी विवेकानंद ने कुशाग्रबुद्धि के साथ समाज को अच्छी सभ्यता का विकास करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने भारत की सांस्कृति, मान सम्मान के लिए भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए 09 सितम्बर 1893 में शिकागो के धर्म सभा में जो उपदेश दिये वह अस्मरणीय है। स्वामी विवेकानंद के आश्रमों में विभिन्न प्रकार के गतिविधियां करते हुए समाज के उत्थान के लिए कार्य किये जा रहे हैं जो प्रासांगिक एवं ऐतिहासिक है। बच्चों को शिक्षा के साथ आत्मनिर्भर और कलात्मक दृष्टि से प्रशिक्षण दिये जा रहे है, जिससे उनके जीवन में समृद्धि आयेगी। उन्होंने कहा कि जो बच्चें थोड़ी सी असफलता के कारण निराश होकर दूसरे रास्ते में चले जाते हैं वे हमेशा असफल होते हैं। मनुष्य को कभी निराश होने की आवश्कता नहीं है, उन्हें उर्जावान, साहस और आत्म विश्वास और भयमुक्त होकर आगे बढ़ना चाहिए, जिससें जीवन में सुखमय एवं समृद्धि प्राप्त होगी। संसदीय कार्य, वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि युवा स्वामी विवेकानंद जी के जीवन को अनुसरण कर अपने जीवन को विकसित और सफल बनाएं। उन्होंने राष्ट्रीय युवा दिवस कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं को आग्रह करते हुए कहा कि परिश्रम ही अच्छे जीवन को प्राप्त करने के लिए एक साथन है। स्वामी विवेकानंद जी के जीवन परिचय के बारे में जानने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा : निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण से मिलती है सफलता

रायपुर। मुख्यमंत्री वष्णु देव साय ने युवा महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर साइंस कॉलेज स्थित दीनदयाल ऑडिटोरियम में युवाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सब देश और प्रदेश के भविष्य हैं। एक सपना लेकर कि आप किस रूप में देश और प्रदेश की सेवा करना चाहते है, उसको हासिल करने के लिए पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण भाव से पढ़ाई करें। छत्तीसगढ़ राज्य में तकनीकी, मेडिकल, लॉ, मैनेजमेंट से संबंधित उच्च स्तरीय शैक्षणिक संस्थान हैं। प्रतियोगी परिक्षाओं की तैयारी के लिए रायपुर में नालंदा परिसर युवाओं के चौबीसों घण्टे खुला है। नालंदा परिसर की तर्ज पर राज्य के अन्य जिलों में भी हाईटेक लायब्रेरी की स्थापना हम कर रहे है, जहां ऑनलाईन-ऑफलाईन प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए मटेरियल उपलब्ध होंगे।

मुख्यमंत्री ने बस्तर अंचल के युवाओं को देश और प्रदेश के विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए आयोजित बस्तर ओलंपिक की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस आयोजन की सराहना की है। उन्होंने युवाओं को स्वामी विवेकानंद की जयंती की बधाई देते हुए कहा कि 1893 में अमेरिका के शिकागो में विश्व धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद ने सनातन धर्म के आदर्श, अध्यात्म और दर्शन पर अपने व्याख्यान से पूरी दुनिया को भारत का कायल बना दिया। मुख्यमंत्री ने युवाओं से अपने संवाद की शुरूआत में अंबिकापुर की अपूर्वा दीक्षित के प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि जीवन में कई बार ऐसी परिस्थितियां आती है कि मन विचलित हो जाता है, परंतु हमें अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अडिग रहना होता है। उन्होंने इस सिलसिले में स्वामी विवेकानंद के जीवन से जुड़ी एक छोटी सी कहानी सुनाई और कहा कि स्वामी विवेकानंद बनारस में एक सन्यासी के साथ जा रहे थे, उसी समय बहुत सारे बंदरों ने स्वामी जी को घेर लिया, ऐसी स्थिति में स्वामी न तो डरे न ही अपनी जगह से डिगे। इसका परिणाम ये हुआ कि सारे बंदर भाग गए। उन्होंने युवाओं को आह्वान किया कि हमें भी अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए अडिग रहना है। दृढ़संकल्प से सारी समस्याओं का समाधान निकलेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने रायगढ़ के ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी की छात्रा श्रुति के सवालों के जवाब में कहा कि हमें सफलता के लिए अपना एक क्षेत्र चुनकर पूरी दृढ़ता और मनोयोग के साथ प्रयास करने से सफलता मिलती है। बस्तर में शांति और विकास के संबंध में राजकुमार कुरेटी के सवालों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर के नक्सल प्रभावित पांच जिलों में सुरक्षा और विकास को लेकर सरकार पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। इन जिलों में 39 सुरक्षा कैम्प की स्थापना और नियद नेल्ला नार योजना के माध्यम से लोगों को शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में डबल इंजन की सरकार है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का देश से 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को खत्म करने का संकल्प है। जिस प्रतिबद्धता और रणनीति के साथ नक्सलवाद के समूल खात्मे के लिए हमारी सरकार काम कर रही है, उससे हमें लगता है कि हम इस लक्ष्य को निर्धारित समयवधि से पहले ही प्राप्त कर लेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर में शांति और विकास की स्थापना के लिए वहां के लोग भी बढ़-चढ़कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रहे है। बस्तर ओलंपिक के आयोजन में लाखों युवाओं की भागीदारी इस बात को प्रमाणित करती है। बलौदाबाजार की छात्रा मृणाल वाजपेयी द्वारा मुख्यमंत्री श्री साय से उनके मुख्यमंत्री बनने तक के सफर के सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वह जशपुर के एक छोटे से गांव बगिया के रहने वाले है। आज उनके गांव की आबादी लगभग ढाई हजार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब वह 10 साल के थे, तभी पिताजी का साया उनके सर से उठ गया। परिवार की पूरी जिम्मेदारी माता जी के ऊपर आ गयी। माता जी निडर महिला है बड़े धैर्य और निडरता से जिम्मेदारी सम्हाली। हमारे पालन-पोषण, पढ़ाई के साथ-साथ खेती-बाड़ी और घर का काम उन्होंने सम्हाला। माता जी को हमने अपना रोल मॉडल माना। बड़ा होने के नाते घर की जिम्मेदारी हमने अपने ऊपर ली। जिस समय पिता जी का स्वर्गवास हुआ उस समय मेरा छोटा भाई मात्र दो माह का था। छोटे भाईयों को पढ़ाया, लिखाया। हमने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरूआत पंच से की। पांच साल पंच रहे। गांव के लोगों ने हमारे अच्छे काम और ईमानदारी को देखकर हमें निर्विरोध सरपंच चुना। छह माह बाद ही विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए टिकट मिली और 1990 में तपकरा विधानसभा क्षेत्र से विधायक बना। मुख्यमंत्री ने फिर अपने सांसद बनने, पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के मंत्री मंडल में राज्य मंत्री और मुख्यमंत्री बनने तक के सफर का उल्लेख किया और कहा कि उन्हें जब भी कोई जिम्मेदारी दी गई, उन्होंने उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक जीवन में स्वर्गीय श्री दिलीप सिंह जूदेव एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी उनके रोल मॉडल रहे है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ काम करने के अवसर का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने जिस तरीके से निर्णायक फैसले लिए है, वे मेरे ही नहीं, नई पीढ़ी के भी रोल मॉडल हैं। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंक राम वर्मा, विधायक राजेश मूणत एवं गुरु खुशवंत साहेब, राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, जनप्रतिनिधिगण, विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि प्राप्त युवा बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

चचिया में हाथियों ने मचाया उत्पात

कोरबा। कुदमुरा रेंज के चचिया परिसर में 25 हाथियों का दल पहुंच गया है। हाथियों के दल ने यहां आने से पहले गीतकुंआरी में उत्पात मचाते हुए चार ग्रामीणों के बाड़ी में लगे सब्जी के पौधों को तहस-नहस कर दिया। इतना ही नहीं चचिया में एक ग्रामीण के बाड़ी में प्रवेश कर वहां लगे सब्जी के पौधों को भी काफी नुकसान पहुंचाया है। ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने पर वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौके पर पहुंचकर हाथियों की निगरानी करने के साथ ही रात में किए गए नुकसानी का आंकलन भी शुरू कर दिया है। उधर करतला रेंज के पीडिया जंगल में डेरा जमाने वाले हाथियों का दल अब केराकछार पहुंच गया है।

जिलाध्यक्ष का स्वागत

कोरबा। भाजपा के जिलाध्यक्ष मनोज शर्मा का कल छुरी पहुंचने पर उनका वरिष्ठ नेता हीरानंद पंजवानी,जयवर्धन सिंह, देवेंद्र देवांगन, प्रितम देवांगन, रमेश श्रीवास के नेतृत्व में साल व श्रीफल से स्वागत किया गया। कटघोरा में मंडल अध्यक्ष अभिषेक गर्ग, धन्नू दुबे, किशन केशरवानी, जय गर्ग, विवेक मारकण्डे, अनुराग दुहलानी आदि ने स्वागत किया।

रुपए गवाने के बाद घेराव के मूड में महिलाएं, सख्त व्यवस्था

कोरबा। माइक्रोफाइनेंस कंपनियों की उदारता से जिले के स्व सहायता समूह से जुड़ी हजारों महिलाए कर्जदार हो गई है। यह सभी फ्लोरा मैक्स नामक कंपनी के चंगुल में इस कदर उलझी की अब उनके सामने समस्याएं ही समस्याएं हैं। एक दिन पहले दो मंत्रियों के साथ विवाद के कारण स्थिति तनावपूर्ण हो गई। महिलाओं ने अब कलेक्ट्रेट का घेराव करने का ऐलान किया है। प्रशासन और पुलिस इस मामले को लेकर सख्ती से निपटने की तैयारी में है। इसलिए कोसाबादी चौक और नगर निगम के सामने मुख्य मार्ग पर बेरीकेटिंग कर दी गई है। काफी संख्या में पुलिस बल को यहां पर डेप्लॉय किया गया है।

भूख हड़ताल के दौरान कुछ महिलाओं की स्थिति बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल ले जाने के दरमियान हुए घटनाक्रम और उसके अगले दिवस महर्षि वाल्मीकि आश्रम में जनजाति समुदाय के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम एवं लखनलाल देवांगन को फ्लोरमैक्स से संबंधित महिलाओं के चक्कर में कड़वे घूट पीने पड़े। काफी मशक्कत के बाद स्थिति नियंत्रित की जा सकी। वही इस मामले को लेकर प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने फिर से दोहराया है कि कर्ज माफी की मांग को लेकर हुए सोमवार को कलेक्ट्रेट का घेराव करेंगे। दोपहर बाद का समय इसके लिए अधिसूचित किया गया है। दूसरी बार प्रशासन में घोषणा को ध्यान में रखते हुए कमर कस ली है। वह किसी भी तरह से ढिलाई बरतने की मानसिकता में नहीं है।

पुलिस लाइन और थाना से बुलाया बल

खबरों के अनुसार इस प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। पर्याप्त संख्या में महिला पुलिस बल के अलावा दूसरी इकाइयों से जवानों की ड्यूटी संबंधित क्षेत्र में लगाई जा रही है। किसी भी तरह के बोगस आरोप से बचने के लिए प्रशासन और पुलिस सतर्कता बरतने के मूड में है। कहा जा रहा है कि प्रदर्शन के दौरान किसी भी तरह की अपनी स्थिति निर्मित होने पर पूरी सख्ती से पेश आया जाएगा।

इसलिए के प्रशासनिक कार्यालय की तरफ जाने वाले मुख्य मार्ग में दो तरफ से अवरोधक लगा दिए गए हैं। आज सुबह इस कार्यवाही को पूरा किया गया। यहां पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करने के साथ बड़ी संख्या में संसाधन सहित पुलिसकर्मी डटे रहेंगे ताकि किसी भी तरह से प्रदर्शन करने वाला वर्ग यहां से आगे ना बढ़ सके। पुलिसकर्मियों को इस बारे में आज सुबह विशेष मार्गदर्शन दिया गया की उन्हें ड्यूटी किस प्रकार से करना है।

क्या दीपका नपा में सामान्य वर्ग से दूसरे चेहरे पर भरोसा जताएगी भाजपा

कोरबा। नगर पालिका परिषद दीपिका में पांचवीं बार चुनाव होने जा रहे हैं। भाजपा के लिए यह नगर पालिका सकारात्मक साबित हुई है। यहां से प्रथम तीन बार भाजपा के प्रत्याशी को जीत मिली जबकि चौथी बार कांग्रेस की टिकट पर जीते अध्यक्ष ने बाद में भाजपा का दामन थाम लिया। अब चर्चा इस बात की है कि क्या इस सीट पर भाजपा प्रत्याशी चैन के मामले में जातिगत परिपाटी को ध्यान में रखेगी या इसमें कुछ परिवर्तन करेगी। हालांकि भाजपा के अलावा कई बागी, और ऐसे लोग भी अध्यक्ष पद के लिए टिकट की मांग कर रहे हैं जिनका कभी भी भाजपा से कोई वास्ता नहीं रहा।

1998 में कोरबा जिला गठन से लेकर 2002 तक दीपिका का स्वरूप ग्राम पंचायत का रहा। वर्ष 2002 में ही ग्राम पंचायत का उन्नयन जनसंख्या के आधार पर करते हुए इसे नगर पालिका में परिवर्तित कर दिया गया। दो वर्ष तक सामान्य तौर पर नगर पालिका के कामकाज प्रशासन के जिम्मे रहा। वर्ष 2004 में नगर पालिका के लिए प्रथम चुनाव हुआ। गठन से लेकर अब तक 4 चुनाव यहां पर संपन्न हुए हैं। नगर पालिका में दो बार भाजपा के बुगल दुबे और एक बार मनोज शर्मा अध्यक्ष निर्वाचित हुए। बदली हुई परिस्थिति में अप्रत्यक्ष प्रणाली से हुए चुनाव में कांग्रेस पार्षद संतोषी दीवान अध्यक्ष निर्वाचित हुई लेकिन लोकसभा चुनाव आने तक उनका हृदय परिवर्तित हुआ और वह भी भाजपा की हो गई। इस तरह से दीपिका नगर पालिका परिषद भाजपा के लिए संजीवनी साबित हुई।

नगर पालिका के पांचवें चुनाव में सांख्यिकी आंकड़े के अनुसार निर्वाचन आयोग ने यहां पर अध्यक्ष पद सामान्य घोषित किया है। इसके साथ विभिन्न दलों से अध्यक्ष पद को लेकर दावेदार सक्रिय हो गए हैं। अब भाजपा के भीतर से ही इस बात की चर्चा और मांग शुरू हो गई है कि जातिगत रूप से दूसरे सामान्य चेहरे को अध्यक्ष पद के लिए अवसर दिया जाना चाहिए। क्योंकि भाजपा के पास समर्पित कार्यकर्ता पर्याप्त है जो लंबे समय से पार्टी के लिए काम करते रहें है। तार्किक आधार पर अनेक कार्यकर्ताओं ने इस विषय को लेकर ऊपर तक पहुंचा है और संगठन का ध्यान आकर्षित किया है। उनकी ओर से कहा जा रहा है कि जब दूसरों के बारे में आप तुष्टिकरण की बात करते हैं तो कभी-कभी अपने क्षेत्र को भी ध्यान में रख लिया जाना चाहिए।

इनकी है दावेदारी

नगर पालिका परिषद दीपिका से पूर्व में पांच रहे और दो बार से पार्षद अरुनीश तिवारी, भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व जिला पदाधिकारी अभिषेक सिंह, मनोज दुबे अध्यक्ष पद के लिए प्रमुख रूप से दावेदारी कर रहे हैं। खबर तो यह भी है कि पिछले चुनाव में निर्दलीय के हाथों परास्त हो चुके एक पार्षद भी इस मामले में पीछे नहीं है। जबकि भाजपा से बगावत करने के बाद फिर से इस संगठन में शामिल होने के दावे करने वाले एक नेता ने भी दावेदारी की कोशिश की है। और तो और अपराधिक प्रकरण में नामजद होने के चक्कर में मंडल का पद गवाने वाले नेताजी भी इस पद की दौड़ में है। सबसे हैरानी तो इस बात की है कि पूर्व अध्यक्ष के भाई जो कभी बीजेपी के लिए सहायक साबित नहीं हुए , वह भी चाहते हैं कि संगठन किसी भी आधार पर उन्हें अध्यक्ष पद का प्रत्याशी बनाए।

सुभाष ब्लॉक में धूमधाम से मनाया गया गौरा-गौरी महोत्सव

कोरबा। शहर के सुभाष ब्लॉक में गौरा-गौरी पूजा महोत्सव काफी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर यहां स्थित चौहान मोहल्ला से बारात निकाली गई जो पूर्व पार्षद सुशील-धनकुमारी गर्ग के निवास स्थान पर पहुंची जहां भाव पूजा अर्चन का कार्यक्रम रखा गया। जिसमें शहर विधायक एवं छत्तीसगढ़ शासन के उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन शामिल हुए। उन्होंने पूजा अर्चना कर गौरा-गौरी से आशीर्वाद मांगा। मंत्री ने कहा इस तरह का आयोजन होते रहना चाहिए इससे भाईचारे को बढ़ावा मिलता है। इस अवसर पर भजन एवं जागरण की भी व्यवस्था रखी गई थी जिसमें भजन गायकों ने भजन प्रस्तुति कर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। ज्ञात रहे यहां विगत कई वर्षों से गौरा-गौरी महोत्सव मनाए जाने की परंपरा रही है, जहां बड़ी संख्या में कालोनीवासियों के अलावा अन्य लोग जुटते हैं और गौरा-गौरी पूजा अर्चना करने के साथ महोत्सव को धूमधाम से मनाते हैं।

बच्चों की टोलियों को मिला छेरछेरा

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा और आसपास के क्षेत्रों में छेरछेरा पर्व परंपरा और उत्साह के साथ मनाया गया। यह पर्व मकर संक्रांति से पहले मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण लोक पर्व है, जिसमें समाज के सभी वर्ग एकजुट होकर अपनी सांस्कृतिक धरोहर को सहेजते हैं।

छेरछेरा पर्व का मुख्य उद्देश्य नई फसल के आगमन की खुशी मनाना और समाज में सामूहिकता और उदारता को प्रोत्साहित करना है। बच्चों और युवाओं की टोली सुबह से ही गांव और मोहल्लों में घूमकर 'छेरछेरा, कोठी के धान ल हेरहेरा' के पारंपरिक नारे लगाते हुए घर-घर जाकर अनाज, धान और दान प्राप्त करती हैं। लोगों का मानना है कि इस दिन दान देने से समृद्धि और खुशहाली बढ़ती है।

इस पर्व पर ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में लोग खुले दिल से दान करते हैं। बच्चे इस दिन का बेसब्री से इंतजार करते हैं, क्योंकि यह न केवल उत्सव का मौका होता है बल्कि एकता और परंपरा से जुड़ने का भी अवसर होता है। कोरबा जिले के शहरी और ग्रामीण इलाकों में यह पर्व पारंपरिक मान्यताओं और उत्साह के साथ संपन्न हुआ, जो हमारी सांस्कृतिक विविधता और लोक परंपरा को सशक्त बनाता है।

भाजपा ने नोनबिर्रा में किया कार्यक्रम

कोरबा। छेरछेरा पर्व के अवसर पर आज भाजपा के द्वारा गांव में अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। नोनबिर्रा में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के जिलाध्यक्ष मनोज शर्मा, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष चुलेश्वर राठौर, कृष्णा पटेल, हरिश थरवानी, नवरतन राजपूत, रवि राठौर मौजूद रहेंगे। इसके बाद ग्राम मुढ़ाली में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया है। यहां पर मंडल अध्यक्ष दिनेश राठौर के द्वारा जिलाध्यक्ष का स्वागत किया जायेगा।

इकाईयों में एसकेएमएस की निकली रैली

कोरबा। एसकेएमएस के द्वारा कई मांगों को लेकर सभी खदानों में अलग-अलग प्रदर्शन किये गये है। अब इनके द्वारा सभी इकाईयों में रैली निकालकर प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा गया। बगदेवा सिंघाली व ढेलवाडीह के कोयला कामगार रैली निकालते हुए एक स्थान पर पहुंचे। इसके बाद सभी ने मिलकर धर्माराव, ऋषभ सिंह, विदेशी, भूपेंद्र कुमार, संजय सिंह, विनोद कुमार, प्रमोदधर दीवान, सूर्यकांत साहू के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया। इसी तरह सूराकछार व बलगी में अध्यक्ष मनीष सिंह, रामरतन, लाखन साव, एमपी सिंह, रामबाबू के नेतृत्व में रैली निकालकर ज्ञापन सौंपा गया।

अयोध्या प्रतिष्ठा दिवस के कार्यक्रम में अजय बोले, युवा पीढ़ी निभाए दायित्व

कोरबा। ग्राम धतूरा में राम भक्तों एवं समस्त ग्राम वासियों व मातृ शक्ति के द्वारा भगवान राम लाल के अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के एक वर्ष पूर्ण होने पर प्रतिष्ठा द्वादशी के शुभ अवसर पर समस्त ग्राम वासियों के द्वारा भव्य भजन कीर्तन एवं राम जी की आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया।

इस अवसर पर सनातन संघर्ष समिति कोरबा के जिला संयोजक अजय कुमार दुबे मुख्य अतिथि के रूप में विशेष रूप से उपस्थित हुए। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि गुलामी के प्रतीक मुगल शासक बाबर द्वारा खंडित रामजी के भव्य मंदिर को बनाने में लाखों लाख लोगों ने अपनी प्राणों की आहुति दी है। उन्हें शत् शत् नमन। प्राण प्रतिष्ठा के एक वर्ष पूर्ण होने पर सबको ढेर सारी शुभकामनाएं हार्दिक बधाई लेकिन इस भव्य राम मंदिर को बनाए रखने एवं हमरी सनातन संस्कृति को जीवित रखने के लिए हमारे युवा पीढ़ी को हमेशा तत्पर रहना पड़ेगा, सजग रहना पड़ेगा। क्योंकि हमें बाहरी शत्रुओं के साथ साथ आंतरिक शत्रुओं से भी सावधान रहना है। आज मैं सभी से आग्रह करता हूं ,कि हर हिन्दू के घर में रामायण होनी चाहिए और हर घर में राम जी की आरती होनी चाहिए । उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे जाकर अयोध्या में रामलला के दर्शन करें और समाज के कल्याण के लिए आशीर्वाद मांगे । इस अवसर पर ग्राम के गणमान्य नागरिक राम भक्त श्री दुर्गेश कश्यप जी ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए अयोध्या में राम लला के मंदिर की भव्यता पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का शुभारंभ अजय कुमार दुबे द्वारा रामजी की पूजा अर्चना एवं भजन कीर्तन के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन राम भक्त एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ खंड पाली के बौद्धिक प्रमुख अमरनाथ कौशिक ने किया । इस अवसर पर दुर्गेश कश्यप, विनोद कंवर, पितर सिंह मरकाम, शशिधर सोनी, अमरनाथ कौशिक, ज्ञानेंद्र कौशिक, कमल किशोर, केशु भाई, मनोज कुमार, मनमोहन कश्यप , अरविंद कौशिक, रामकुमार कौशिक, कृष्णानंद कौशिक, छोटेलाल कश्यप आदि उपस्थित थे। मातृशक्तियो में श्रीमती लक्ष्मी जयसवाल, श्रीमती शांति राठौर, श्रीमती कलाबाई, श्रीमती जगबाई, श्रीमती स्कूल बाई, श्रीमती चंदाबाई, श्रीमती पुष्पबाई , श्रीमती रूप कुमारी एवं ग्राम के समस्त गणमान्य नागरिक उपस्थित थे ।

बालको ने मानक ब्यूरो के सहयोग से नवाचार को दिया बढ़ावा

कोरबा। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने कलिंगा विश्वविद्यालय (केआईटी) और केंद्रीय पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संस्थान (सीआईपीईटी) में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के 78वें स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया। रायपुर में आयोजित दो दिवसीय मानक कार्निवल में विभिन्न स्कूल के 1,200 से अधिक छात्रों को उद्योग के बारे में जानकारी दी गई। कार्निवाल के आयोजन ने रोजमर्रा की जिंदगी में गुणवत्ता और मानक के महत्व के बारे में जानकारी का मंच प्रदान किया।

कार्निवल में इंटरैक्टिव गेम, क्विज़, प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से दैनिक जीवन में गुणवत्ता चेतना के महत्व पर जोर दिया। आकर्षक स्टॉल के माध्यम से युवाओं के लिए शिक्षा के साथ उद्योग की समझ को बढ़ावा दिया। गुणवत्तापूर्ण वस्तुओं की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने और छात्रों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी की ओर प्रोत्साहित करने में मानकों की महत्वपूर्ण भूमिका को प्रदर्शित किया गया।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि युवा भारत के भविष्य निर्माता हैं। बालको उन्हें आत्मविश्वास और जानकारीपूर्ण जीवन जीने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और अनुभव प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यह पहल वैज्ञानिक रूप से इच्छुक, गुणवत्ता के प्रति जागरूक पीढ़ी को बढ़ावा देने के हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप है जो देश के विकास में योगदान देती है।

बीआईएस, रायपुर शाखा कार्यालय के प्रमुख एवं निदेशक सुमित कुमार ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों के बीच सामंजस्य बनाने के हमारे मिशन के लिए आवश्यकता है। हमारा लक्ष्य छात्रों में उद्योग की समझ विकसित करना तथा गुणवत्ता के प्रति जागरूक व्यक्तियों का एक मजबूत नेटवर्क बनाना है। इस पहल में बालको के महत्वपूर्ण योगदान ने हमारी पहुंच को आगे बढ़ाया तथा यह सुनिश्चित किया है कि गुणवत्ता जागरूकता सभी तक पहुंचे और परिवर्तनकारी बदलाव को प्रेरित करे।

बालको के उत्पाद को गुणवत्ता के लिए बीआईएस प्रमाणन प्राप्त है जिसमें 12एमएम वायर रॉड, ईसी इनगॉट, अलॉय इनगॉट, प्राइमरी इनगॉट, रोल्ड शीट और रोल्ड कंडक्टर प्लेट व रोल्ड प्लेट उत्पाद शामिल हैं। यह प्रमाणन बेमिसाल उत्पाद क्वालिटी एवं एल्यूमिनियम उद्योग में निरंतर नवाचार हेतु कंपनी की प्रतिबद्धता का परिचायक है। कंपनी को बीआईएस प्रमाणन के साथ सस्टेनेबल एल्यूमिनियम वैल्यू चैन को बढ़ावा देने के लिए एल्यूमिनियम स्टीवर्डशिप इनिशिएटिव (एएसआई) गुणवत्ता मानक प्रमाणन प्राप्त हैं।

कंपनी विभिन्न पहल के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने के लिए काम करता है। वेदांता स्किल स्कूल आवासीय व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र जो विभिन्न ट्रेडों में कौशल विकास प्रदान करता है। लगभग शत प्रतिशत प्लेसमेंट के साथ लगभग 12,000 से अधिक युवाओं को रोजगार योग्य कौशल के साथ प्रशिक्षित किया है जिससे उन्हें स्थायी आजीविका हासिल करने में मदद मिली है। बालको हर साल ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन शिविर का आयोजन करता है, जिसमें 6वीं से लेकर 12वीं तक के छात्रों के समग्र विकास को बढ़ावा देने वाली अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम की श्रृंखला शामिल हैं। औद्योगिक क्षेत्र में युवाओं की जिज्ञासा और रुचि को बढ़ावा देने के लिए बालको संयंत्र भ्रमण का आयोजन करता है, जो छात्रों को औद्योगिक संचालन में महत्वपूर्ण समझ प्रदान करता है। वहीं प्रोजेक्ट कनेक्ट पहल छात्रों के ग्रेड में सुधार और सीखने की ललक को बढ़ाने पर केंद्रित है। 6 सरकारी स्कूलों में विज्ञान, गणित, अंग्रेजी और अकाउंटेंसी जैसे विषयों में 9वीं से 12वीं कक्षा के लिए संख्यात्मक कौशल और कैरियर परामर्श सत्रों को संचालित आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। कंपनी युवाओं के लिए विभिन्न विकास कार्यों के माध्यम से राष्ट्रीय युवा दिवस मनाता है। अगली पीढ़ी के लीडर नेताओं और नवोन्मेषकों को पोषित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। युवाओं को सफल होने के लिए संसाधन और अवसर प्रदान करके, बालको राष्ट्र के लिए एक उज्जवल एवं सस्टेनेबल भविष्य का निर्माण कर रहा है।

ब्रह्म वाटिका में मकर संक्रांति पर होगा कार्यक्रम

कोरबा। ऋतु परिवर्तन के प्रमुख पर्व मकर संक्रांति के अवसर पर सर्व ब्राह्मण समाज के द्वारा एसईसीएल हेलीपैड परशुराम मार्ग स्थित ब्रह्म वाटिका में कार्यक्रम रखा गया है। बताया गया कि 14 जनवरी को पूर्वानह 11ः00 बजे सनातन परंपरा के अंतर्गत पूजा अर्चना की जाएगी। एकता और सद्भाव की भावना का संचार करने के लिए ईश्वर से मंगल कामना की जाएगी। समाज के अध्यक्ष ने बताया कि इसके माध्यम से हिन्दू मान्यताओं को सशक्त किया जाएगा।

***कोरबा।** जेसीआई सहित कुछ संगठनों की ओर से मकर संक्रांति पर पतंगबाजी व लड्डू वितरण के कार्यक्रम कोरबा में किए जाएंगे।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com